दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K
RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-122 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 20 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

नागरिकों को तय फुटपाथ पर चलने का मौलिक अधिकार, स्कूल जाते समय लड़के की दुखद मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि, नागरिकों को तय फुटपाथ पर चलने का मौलिक अधिकार मिलना चाहिए. अपने पिता के साथ स्कूल जा रहे पांच साल के बच्चे की दुखद मौत पर रोशनी डालते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये बात कही.अदालत ने कहा कि, चलने का मौलिक अधिकार, जो आर्टिकल 19(1)(डी) में दिया गया है, पहियों पर चलने के अधिकार से पहले आता है. सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि इस अधिकार के लिए सुरक्षित, अच्छी तरह से तय फुटपाथ और पैदल चलने वालों के लिए क्रॉसिंग की जरूरत है, जिसके बिना भारत की सड़कों पर परिवारों को ऐसी दुखद घटनाओं का सामना करना पड़ता है जिनसे बचा जा सकता है।

कोर्ट ने कहा कि, नागरिकों को तय फुटपाथ पर चलने का मौलिक अधिकार मिलना चाहिए, और जहां भी सड़क है, अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसे फुटपाथ दें और उनका रखरखाव करें.जस्टिस पीएस नरसिम्हा और अतुल एस चंदुरकर की बेंच ने कहा कि हालांकि चलने का अधिकार जिंदगी से जुड़ा हुआ है, हमारा संविधान इसे एक मौलिक अधिकार के तौर पर मान्यता देता है और इसकी गारंटी देता है. अदालत ने कहा, सभी नागरिकों को भारत के पूरे इलाके में आजादी से घूमने का हक होगा.फैसला लिखने वाले जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, किसी भी जवान पिता की तरह, अपील करने वाले ने अपने पांच साल के बेटे को प्यार से तैयार किया और सुबह 9 बजे उसे पड़ोस के स्कूल छोड़ने के लिए घर से निकला. किसने सोचा होगा कि यह उसके बेटे के साथ आखिरी वॉक होगी.जब पिता और बेटा स्कूल की ओर जा रहे थे, तो पीछे से एक टैंकर आया और लड़के को टक्कर मार दी, जिससे उसकी कमर और शरीर का निचला हिस्सा कुचल गया. चोटों के कारण उसकी मौत हो गई. उन्होंने आगे कहा, मान लीजिए, वहां न तो कोई फुटपाथ था और न ही पैदल चलने वालों के लिए कोई क्रॉसिंग थी.उन्होंने कहा कि इस तरह की दुर्घटनाएं होती रहती हैं, शायद वे तब तक होने ही हैं जब तक हम सड़कों तक पहुंच के मामले में अपने अधिकारों के सिस्टम को फिर से नहीं बनाते और उनके जुड़े हुए कामों को नहीं पहचानते. उन्होंने आगे कहा कि तब तक, हम इन दुखद घटनाओं से निपटने के लिए उन्हें नियमित तौर पर एफआईआर और मोटर एक्सीडेंट क्लेम में बदलते रहेंगे.उन्होंने आगे कहा, यह जरूरी है, बल्कि मजबूर करने वाला है, कि हम पहले अपने दिमाग से यह गलतफहमी दूर करें कि चलने का यह अधिकार सिर्फ पहियों पर चलने से जुड़ा है. हमने अपने रास्ते पर पहिए लगने से बहुत पहले ही चलना शुरू कर दिया था।

सीपीए घोटाला मामले में एसीबी ने पूर्व सीएमओ डॉ. विजय कुमार रंगा को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) से जुड़े एक घोटाले के मामले में डॉ. विजय कुमार रंगा को गिरफ्तार किया है. संयुक्त पुलिस आयुक्त विक्रमजीत सिंह के मुताबिक यह गिरफ़्तारी सैकड़ों करोड़ रुपये की दवाइयों और मेडिकल उपकरणों की खरीद में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और टेंडर की शर्तों में हेरफेर से जुड़े एक बड़े भ्रष्टाचार के मामले में की गई है. कोर्ट ने आरोपी को 4 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है.इस मामले में हाल ही निलंबित की गई पूर्व डीजीएचएस डॉक्टर वत्सला अग्रवाल को भी गिरफ्तार करने के लिए एसीबी की टीम लग गई है. एसीबी की टीम अग्रवाल के घर पहुंची है।

दक्षिण कोरिया के गृह और सुरक्षा मंत्री युन हो-जुंग ने नई दिल्ली में संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की।

कोलकाता एयरपोर्ट पर इंडिगो के विमान पर बिजली गिरी, यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया

कोलकाता (आरएनएस)। कोलकाता एयरपोर्ट पर शुक्रवार को आंधी-तूफान के बीच इंडिगो के एक विमान पर आकाशीय बिजली गिर गई. फ्लाइट अगरतला जाने वाली थी. यह जानकारी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने दी. यह घटना क्षेत्र में आंधी-तूफान और बारिश के बीच हुई. हालांकि एयरपोर्ट ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर पहले ही मौसम संबंधी चेतावनी जारी कर चुका था.इस घटना में कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ. बताया जाता है कि इंडिगो का विमान 6ई6068 (वीटी-आईपीडब्ल्यू) एयरोब्रिज 56एल पर खड़ा था तभी सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस पर बिजली गिर गई. अधिकारी ने बताया कि बिजली गिरने से विमान की विद्युत प्रणाली प्रभावित हुई, जिससे उसकी बिजली आपूर्ति अचानक बंद हो गई.विमान पर जब बिजली गिरी, उस समय ए320 विमान में 141 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे. एहतियात के तौर पर इंडिगो एयरलाइन ने यात्रियों को विमान से उतार लिया और बाद में उन्हें ए321 विमान से रवाना किया।

इंदौर में नीट की तैयारी कर रही छात्रा चौथी मंजिल से गिरी, इलाज के दौरान मौत

इंदौर, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के न्यू बर्ग कॉलोनी क्षेत्र में गुरुवार देर रात मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही एक छात्रा की चौथी मंजिल से गिरने के बाद मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल छात्रा को पहले निजी अस्पताल और बाद में एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शुक्रवार तड़के उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसआईटी जांच कर रही, दूध का दूध-पानी का पानी होगाः सीएम योगी

-सीएम की अपील- हमारे पूर्वजों ने मर्यादित रहते हुए 500 वर्षों तक संघर्ष किया है, 15 दिन और इंतजार कर लें, कोई अपराधी है तो बचेगा नहीं

अयोध्या,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र प्रकरण पर समाजवादी पार्टी व कांग्रेस को आईना दिखाया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वाले, रामभक्तों पर लाठी-गोली चलाने वाले उपदेश दे रहे हैं। अयोध्या को अपमानित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। अयोध्या के बारे में समाचार पत्रों से जो जानकारी मिली, उसके बाद ट्रस्ट के अनुरोध पर हमने एसआईटी जांच बैठाई है। एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। एसआईटी की रिपोर्ट आने तक ऐसी कोई बयानबाजी न हो, जो रामभक्तों की भावनाओं को आहत करती हो। यदि किसी के पास डाक्यूमेंट्री प्रूफ हो तो एसआईटी को उपलब्ध करा दें। सीएम ने रामभक्तों से विनम्र अपील की कि प्रभु राम ने हमें मर्यादित रहने का आचरण दिया है,

इसलिए मर्यादा का पालन करना चाहिए। हमारे पूर्वजों ने प्रभु के स्थान के लिए मर्यादित रहते हुए 500 वर्षों तक संघर्ष किया है, 15 दिन और इंतजार कर लें। अगर कोई अपराधी है तो यह सुनिश्चित है कि वह कोई भी हो, बचेगा नहीं।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को रुदौली विधानसभा क्षेत्र में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय व चिकित्सालय समेत 378 करोड़ रुपये से अधिक की 126 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने मां कामाख्या धाम के स्वरूप को और बेहतर करने के लिए विधायक रामचंद्र यादव से प्रस्ताव भी मांगा। उन्होंने भीषण गर्मी में भी कार्यक्रम के प्रति अयोध्यावासियों के उत्साह की सराहना करते हुए उनका आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या को बदनाम और रामजन्मभूमि मंदिर को अपमानित करने वालों के बहकावे में न आएं। ये लोग कभी नहीं चाहेंगे कि अयोध्या सम्मान पाए, क्योंकि क्षमता विहीन इन लोगों ने तो कुछ किया नहीं। जिन लोगों ने अयोध्या को बिजली नहीं दी और संकरी गलियों में बांधकर रखा, वे लोग आज दुष्प्रचार कर सप्तपुरियों में प्रथम अयोध्या को अपमानित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

प्रदेश का सर्वांगीण विकास ही शासन का संकल्प : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में किया सड़क निर्माण कार्य का किया भूमि-पूजन
नई विकास परियोजनाओं की हुई घोषणा, हितग्राहियों को किये हितलाभ वितरित

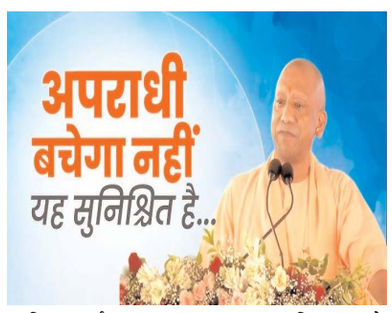

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर में आयोजित लोकार्पण व भूमि-पूजन कार्यक्रम में कहा है कि राज्य सरकार ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया है और उसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम इंदौर ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा स्वच्छता अभियान में इंदौर ने देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अवधि में देश ने विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि के प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आज देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को नई मजबूती मिली है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में विकास के विभिन्न मानकों पर निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को विकास का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजनांतर्गत जोन 8 में सड़क का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर के जोन क्रमांक 8 के वार्ड क्रमांक 37 में तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक प्रस्तावित सड़क विकास कार्य और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य का आज रिमोट से भूमि-पूजन कर शुभारंभ किया। इसमें सड़क निर्माण कार्य की लागत 13.26 करोड़ और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य की लागत 2.64 करोड़ रुपए है। यह सड़क लगभग 1.30 किलोमीटर लंबी एवं इन्दौर विकास योजना-2021 के अनुसार 30 मीटर चौड़ाई में निर्मित होगी। परियोजना अंतर्गत सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, सीवर चैम्बरों का सुदृढ़ीकरण, फुटपाथ निर्माण तथा विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित विभिन्न अधोसंरचनात्मक कार्य किए जाएंगे। सड़क के निर्माण से तुलसी नगर, निपानिया, अंकुर आंगन, राजाराम ऐवेन्यु तथा महालक्ष्मी नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के रहवासियों को आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही क्षेत्र में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी और नागरिकों को बेहतर एवं नई कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। भूमि-पूजन समारोह की शुरुआत वंदे मातरम् के गायन से हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं समस्त जन द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा-अर्चना की गई।

मध्य प्रदेश में मानसून 10 दिन लेट, जून में 39% कम बारिश, किसानों की बढ़ी चिंता

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में मानसून की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। सामान्यत: 15-16 जून तक प्रदेश में दस्तक देने वाला मानसून इस बार करीब 10 दिन की देरी से 25 जून के आसपास पहुंचने की संभावना है। मानसून की इस लेटलतीफी का सीधा असर खेती-किसानी पर पड़ रहा है। जून माह में अब तक प्रदेश में सामान्य से 39 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं मौसम विभाग ने शुक्रवार को प्रदेश के 39 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है।मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, 1 जून से अब तक प्रदेश में औसत से 39 फीसदी कम वर्षा हुई है। सबसे ज्यादा असर पूर्वी मध्य प्रदेश में देखने को मिल रहा है, जहां बारिश की कमी के कारण खेतों में नमी नहीं बन पा रही है। इससे खरीफ सीजन की तैयारियां प्रभावित हो रही हैं।

पट्टी शाह मर्डरः 14 को सजा ए उम्र कैद, 38-38 हजार का जुर्माना

- बकरीद के जुलूस में 18 साल पहले दो पक्षों के बीच हुआ था विवाद

फतेहपुर (आरएनएस)। जिला के हथगाम थाना क्षेत्र के पट्टीशाह गांव में 18 साल पहले हुए डबल मर्डर केस का बहुप्रतीक्षित फैसला सुना दिया गया। न्यायाधीश ने इस मामले में 14 को उम्र कैद की सजा सुनाई। इन सभी पर 38-38 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है।

बताना जरूरी है कि इस हत्याकांड के दो आरोपियों की मौत हो चुकी है। एक अभियुक्त, तीन साल पहले अखरी गांव में हुए ट्रिपल मर्डर के आरोपी के तौर पर पहले से ही जेल में रहकर सजा काट रहा है।

बताते चलें कि 7 दिसंबर 2008 के शाम 4 बजे मातम जुलूस के दौरान हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट के दौरान खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया था। हथगाम थाना क्षेत्र के पट्टीशाह गांव में दो पक्षों में मारपीट के साथ गोलियां चली थीं। जिसमें बसपा नेता मज़हर हैदर नकवी उर्फ मज्जू मियां के बेटे रियाज अतहर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी जबकि उनके अंगरक्षक शमशाद ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। इस हमले में बसपा नेता भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। दूसरे पक्ष से रईस को भी गोली लगी थी। जिला सत्र एवं न्यायाधीश सुधीर कुमार की अदालत में गुरुवार सुनवाई के बाद शुक्रवार को भी यह मामला पेश हुआ।जिला शासकीय अधिवक्ता अनिल दुबे ने पक्ष रखा। सारी दलील सुनने के बाद न्यायाधीश ने धारा 302 के तहत शरीफ, रईस सफीक पुत्रगण लतीफ, साबिर, सादिक, मुन्नू सिंह, वाजिद, अशोक, मोईन, संजय, निहाल, इसराईल,सगीर व रईस को आजीवन कारावास की सजा के साथ 38- 38 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

भारत तय समय से पहले हासिल करेगा रक्षा उत्पादन और निर्यात का लक्ष्यः राजनाथ सिंह

नागपुर,(आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और रक्षा उत्पादन तथा निर्यात के तय लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले हासिल करने की राह पर है। नागपुर स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री अंबाझरी (यान्त्र इंडिया लिमिटेड) में 10,000 टन क्षमता वाले एल्यूमीनियम एक्सट्रूज़न प्रेस की आधारशिला रखने के बाद, उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों में सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहना उचित नहीं है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जो देश अपनी जरूरतों को स्वयं पूरा करने में सक्षम होता है, वही अपने राष्ट्रीय हितों की सबसे बेहतर तरीके से रक्षा कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह नई परियोजना आयात आधारित व्यवस्था से स्वदेशी रक्षा विनिर्माण की ओर एक बड़ा बदलाव साबित होगी।

रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में तकनीक, कुशल मानव संसाधन, ज्ञान और राष्ट्रीय विश्वास के बल पर भारत के रक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जबकि वर्ष 2014 में यह केवल 46 हजार करोड़ रुपये था। इसी तरह रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,424 करोड़ रुपये हो गया है, जो 2014 में एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था।उन्होंने विश्वास जताया कि भारत जल्द ही 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य तय समय से पहले हासिल कर लेगा।राजनाथ सिंह ने ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) के पुनर्गठन और उसे रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों में बदलने के फैसले को सफल बताया। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के बाद उत्पादन और निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि कॉरपोरेटाइजेशन से पहले वित्त वर्ष 2019-20 में ओएफबी का उत्पादन 12,755 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 26,282 करोड़ रुपये हो गया। वहीं इन इकाइयों का रक्षा निर्यात 81 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,561 करोड़ रुपये पहुंच गया, जिसमें यान्त्र इंडिया लिमिटेड का योगदान 397 करोड़ रुपये रहा।रक्षा मंत्री ने कहा कि युद्ध का स्वरूप लगातार बदल रहा है, लेकिन पारंपरिक सैन्य उपकरणों का महत्व आज भी उतना ही है और 2047 तक भी बना रहेगा।

उज्जैन बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल, भस्म आरती में हुए शामिल

उज्जैन,,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल शुक्रवार तड़के मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर दर्शन-पूजन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्ति और आध्यात्मिकता से सराबोर इस विशेष अवसर पर चहल करीब दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती के साक्षी बने। शुक्रवार तड़के सुबह करीब 3 बजे मंदिर पहुंचे चहल ने विधि-विधान से भगवान महाकाल के दर्शन किए। भस्म आरती के दौरान वे पूरी श्रद्धा के साथ बाबा महाकाल की भक्ति में लीन दिखाई दिए। आरती के बाद उन्होंने नंदी महाराज का पूजन-अभिषेक कर उनके कान में अपनी मनोकामना व्यक्त की। इसके पश्चात चांदी द्वार से भगवान महाकाल को जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया।दर्शन के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से युजवेंद्र चहल का सम्मान किया गया।

भोपाल से चार दिन पहले लापता मासूम अंश मथुरा में सुरक्षित मिला, संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से अकेला पहुंचा था

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कोहेफिजा क्षेत्र से चार दिन पहले लापता हुआ छह वर्षीय अंश आखिरकार उत्तर प्रदेश के मथुरा रेलवे स्टेशन पर सुरक्षित मिल गया। भोपाल पुलिस की लगातार चार दिन तक चली तलाश, सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल और तकनीकी जांच के बाद बच्चे का पता लगाया जा सका। पुलिस टीम अंश को मथुरा से लेकर भोपाल रवाना हो गई है। भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने शुक्रवार को बच्चे के सुरक्षित मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि अंश 17 जून की रात करीब 12:48 बजे संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में बैठ गया था। मथुरा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी की नजर उस पर पड़ी, जिसके बाद उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सौंप दिया गया। गुरुवार देर शाम सीडब्ल्यूसी ने भोपाल पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद कोहेफिजा थाना पुलिस की टीम तत्काल मथुरा रवाना की गई।अंश मैना कोहेफिजा क्षेत्र के बाजपेयी नगर का निवासी है। उसकी मां लालघाटी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती थीं। मंगलवार को अस्पताल परिसर के आसपास खेलते समय वह अचानक लापता हो गया था। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर व्यापक स्तर पर तलाश शुरू की थी।

सीसीटीवी फुटेज से खुलती गई कड़ी

जांच के दौरान पुलिस ने शहरभर के सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में अंश को रॉयल मार्केट, सब्जी मंडी और मस्जिद क्षेत्र तक पैदल जाते हुए देखा गया। रास्ते में वह एक स्थान पर पानी पीने के बाद आगे बढ़ता नजर आया। एक फुटेज में अंश एक व्यक्ति के साथ दिखाई दिया था, जिसके चलते पुलिस ने तत्काल उस व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच में वह व्यक्ति भिक्षावृत्ति करने वाला निकला और उसके खिलाफ कोई संदिग्ध तथ्य नहीं मिला।

ट्रेन की खिड़की में बैठा दिखा अंश

जांच का सबसे अहम सुराग तब मिला जब रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में अंश संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के डिब्बे की खिड़की पर बैठा दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने रेलवे रूट पर फोकस करते हुए विभिन्न स्टेशनों और सुरक्षा एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया। इसी कड़ी में बच्चे की लोकेशन मथुरा तक ट्रेस हुई।मामले की गंभीरता को देखते हुए भोपाल पुलिस ने छह विशेष टीमें गठित की थीं। डीआईजी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी मौके का निरीक्षण कर जांच की निगरानी की। लगातार चार दिनों की मेहनत के बाद पुलिस को सफलता मिली और बच्चा सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

आईटीआई, गोविंदपुरा में आयोजित वृहद कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 1203 युवाओं का प्राथमिक चयन

भोपाल,(ए.)। प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल के मार्गदर्शन तथा प्रमुख सचिव, तकनीकी शिक्षा,कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग, मनीष सिंह आईएएस, संचालक, कौशल विकास बसंत कुर्रे, आईएएस एवं अतिरिक्त संचालक डी. एस. ठाकुर के सहयोग से शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल में ट्राइडेंट ग्रुप के सहयोग से वृहद कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया।रोज़गार मेले में प्रदेश के विभिन्न आईटीआई, पॉलीटेक्निक, स्नातक, 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण युवाओं सहित कुल 1410 अभ्यर्थियों ने सहभागिता की। ट्राइडेंट ग्रुप द्वारा विभिन्न इंजीनियरिंग एवं गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार एवं कौशल मूल्यांकन किया गय ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर एयरपोर्ट पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल का पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

नगरीय निकाय कर्मियों की सेवाकाल में असमय मृत्यु पर आश्रितों को मिलेगा 1.25 लाख रुपये तक का अनुग्रह अनुदान

भोपाल,(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रगतिशील सोच और लोककल्याणकारी निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता से आज प्रदेश के नगरीय निकाय कर्मचारियों और उनके परिवारों को एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा कवच मिला है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नगरीय निकायों के सेवकों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने बताया कि मध्यप्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम, 2017 के दायरे में आने वाले नगर पालिक निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर परिषद के कर्मचारियों की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कर्मचारी के बैण्ड वेतन तथा ग्रेड पे के सम्मिलित योग के छह गुना के बराबर की धनराशि अनुग्रह अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 1,25,000 रुपये (एक लाख पच्चीस हजार रुपये) होगी। यह कल्याणकारी निर्णय 1 अप्रैल, 2025 और उसके उपरांत घटित होने वाले सभी प्रकरणों पर प्रभावशील होगा। यह निर्णय नगरीय प्रशासन के मैदानी कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और उनके सुरक्षित भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस.के. जैन का इस्तीफा मंजूर, प्रो. विवेक शर्मा को मिला प्रभार

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के कुलगुरु प्रो. एस.के. जैन का त्यागपत्र तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। इस संबंध में लोक भवन से शुक्रवार को आदेश जारी किए गए। त्यागपत्र स्वीकृत होने के साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन में नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।जनसंपर्क अधिकारी अजय वर्मा ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 14 की उपधारा (6) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रो. जैन द्वारा 18 जून 2026 को प्रस्तुत त्यागपत्र को मंजूरी प्रदान की। आदेश के अनुसार त्यागपत्र तत्काल प्रभाव से प्रभावी माना जाएगा।

प्रो. विवेक शर्मा को सौंपी गई जिम्मेदारी

राज्यपाल द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि विश्वविद्यालय में नियमित कुलगुरु की नियुक्ति होने तक प्रबंध संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. विवेक शर्मा कुलगुरु का कार्यभार संभालेंगे। उन्हें अंतरिम व्यवस्था के तहत विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रो. शर्मा नए कुलगुरु की नियुक्ति तक विश्वविद्यालय के दैनिक कार्यों, प्रशासनिक निर्णयों और शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन करेंगे।

डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग को नई गति देने पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में हुआ मंथन

40 से अधिक राष्ट्रीय उद्योगों, रक्षा प्रतिष्ठानों, अनुसंधान एवं शिक्षण संस्थानों ने साझा किए सुझाव
डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग इको सिस्टम को सशक्त बनाने की दिशा में हुई महत्वपूर्ण पहल

भोपाल (ए.)। रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उप महानिदेशक (स्वदेशीकरण) सुशील कुमार सतपुते ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थान और शिक्षण संस्थाएं एक साझा मंच पर आकर नवाचार आधारित रक्षा विनिर्माण को आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्यों में मजबूत औद्योगिक एवं नवाचार आधारित इको सिस्टम विकसित करना समय की आवश्यकता है और केंद्र व राज्यों के समन्वित प्रयासों से ही देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सकेगा।

रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 20-21 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन आत्मनिर्भरता इन डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग : प्रमोटिंग स्टेट-लेवल इकोसिस्टम्स की तैयारियों के तहत मध्यप्रदेश शासन द्वारा एमपीआईडीसी मुख्यालय, भोपाल में तीसरे चरण के अंतर्गत राज्य स्तरीय फ्लैगशिप परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता, स्वदेशीकरण, एमएसएमई, स्टार्टअप, नवाचार तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।कार्यशाला में देशभर के 40 से अधिक प्रमुख उद्योगों, रक्षा प्रतिष्ठानों, अनुसंधान संस्थानों, शिक्षण संस्थाओं और नीति विशेषज्ञों ने प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से भागीदारी कर अपने सुझाव साझा किए। मध्यप्रदेश इस राष्ट्रीय पहल में इंडिजेनाइजेशन, एमएसएमई, स्टार्टअप एवं इनोवेशन इकोसिस्टम विषय पर सह-नेतृत्व (को-लीड) राज्य की भूमिका निभा रहा है।

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। राज्य की उद्योग अनुकूल नीतियां, विकसित औद्योगिक आधारभूत संरचना, उपलब्ध संसाधन तथा कुशल मानव संसाधन इसे देश के प्रमुख रक्षा उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला राज्य की भावी रणनीति तय करने के साथ उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और शासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रस्तावित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की रूपरेखा, राज्यों की भूमिका तथा मध्यप्रदेश की सह-नेतृत्व जिम्मेदारी पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान बताया गया कि रक्षा उत्पादन विभाग ने राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के लिए सात प्रमुख रणनीतिक विषय निर्धारित किए हैं, जिन पर राज्यों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। एमपीआईडीसी द्वारा डिफेंस एवं एयरोस्पेस रणनीति वर्ष 2026-30 प्रस्तुत की गई। इसमें राज्य की वर्तमान औद्योगिक स्थिति, छह रणनीतिक स्तंभों तथा 24 प्रमुख पहलों के माध्यम से रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में निवेश, नवाचार और विनिर्माण को बढ़ावा देने की कार्ययोजना साझा की गई। प्रस्तुतीकरण में जबलपुर की सैन्य वाहन निर्माण क्षमता, इटारसी के आयुध उत्पादन, ग्वालियर के बायो-केमिकल अनुसंधान तथा कटनी की धातुकर्म विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश की प्रमुख औद्योगिक शक्ति के रूप में रेखांकित किया गया। कार्यशाला का सबसे महत्वपूर्ण चरण हितधारकों के साथ सातों रणनीतिक विषयों पर विस्तृत चर्चा रहा। उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप, रक्षा प्रतिष्ठानों, शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। विशेष रूप से स्वदेशीकरण, एमएसएमई, स्टार्टअप और नवाचार आधारित इकोसिस्टम को मजबूत बनाने पर उपयोगी सुझाव सामने आए।

पासपोर्ट सत्यापन में उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्यप्रदेश पुलिस को लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय सम्मान

5 लाख से कम पासपोर्ट सत्यापन श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर रचा कीर्तिमान
विदेश मंत्रालय द्वारा दिया गया मध्यप्रदेश पुलिस को 'इंस्टीट्यूशनल परफॉर्मेंस अवार्ड'

भोपाल, (निप्र.)। नागरिक सेवाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस के निरंतर प्रयासों को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए पासपोर्ट आवेदनों के पुलिस सत्यापन के प्रदर्शन के आधार पर मध्यप्रदेश पुलिस को 5 लाख से कम पासपोर्ट आवेदन श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। विदेश मामलों के माननीय मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा 19 जून 2026 (शुक्रवार) को सीबी मुथम्मा हॉल, सी विंग, जवाहरलाल नेहरू भवन, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में मध्यप्रदेश पुलिस को वर्ष 2025-26 के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए Institutional Performance Award for State Police" से सम्मानित किया गया। उपरोक्त कार्यकम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व उप पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था तरूण नायक एवं सहायक पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा सुरक्षा श्रीमती रश्मि मिश्रा ने किया। इस उपलब्धि के लिए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने प्रदेश के सभी जिलों, विशेष शाखा, पासपोर्ट सत्यापन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरी मध्यप्रदेश पुलिस के सामूहिक प्रयासों, समर्पण और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच कुल 3लाख 35हजार 647 पासपोर्ट सत्यापनसमयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण तरीके से संपादित किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश को इस श्रेणी में प्रथम पुरस्कार (Citation) प्रदान किया गया है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति गठित

भोपाल,(निप्र.)। राज्य शासन द्वारा सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय एम.ओ.एस.पी.आई एवं राज्य सरकार के मध्य सांख्यिकीय गतिविधियों के प्रभावी समन्वय एवं केंद्रीय क्षेत्रीय अवसंरचना परियोजनाओं की निगरानी के सम्बन्ध में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है।समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, वित्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उप महानिदेशक, भारत सरकार, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, (क्षेत्र संकार्य प्रभाग) तथा सम्बंधित केंद्रीय मंत्रालयों/राज्य के विभागों/केंद्रीय या राज्य पीएसयू के प्रतिनिधि (एजेंडा अनुसार) सदस्य होंगे। आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, म.प्र को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। राज्य स्तरीय समन्वय समिति का कार्यक्षेत्र एम.ओ.एस.पी.आई और उसके क्षेत्रीय कार्यालयों तथा राज्य के सांख्यिकी विभाग के बीच नियमित संवाद को सुगम बनाना जिससे प्रमुख राष्ट्रीय सर्वेक्षणों जैसे एन.एस.एस, ए.एस.एल, आर्थिक जनगणना एएसयूएसई, पीएलएफएस, एचसीईएस अलावा अन्य सांख्यिकी गतिविधियों का योजनाबद्ध क्रियान्वयन किया जा सके।

मप्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आदिवासी अधिकारों, भूमि और सुरक्षा के मुद्दों पर सरकार को घेरा

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में आदिवासी समाज के अधिकारों, भूमि, शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और सम्मान से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आदिवासी समुदाय से जुड़े मामलों में गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं, जिन पर सरकार को जवाब देना चाहिए। पत्रकार वार्ता में जीतू पटवारी ने भारत की प्रथम महिला आदिवासी राष्ट्रपति के मध्य प्रदेश प्रवास का स्वागत करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की पहचान, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।पटवारी ने दावा किया कि प्रदेश में आदिवासी भूमि के हस्तांतरण से जुड़े मामलों में व्यापक अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर ऐसे सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध भूमि हस्तांतरण पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न परियोजनाओं और खनन गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में आदिवासी परिवार विस्थापन की समस्या का सामना कर रहे हैं। उनका कहना था कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और आजीविका की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।वन अधिकारों के मुद्दे पर जीतू पटवारी ने कहा कि आदिवासी समुदाय को कानून के तहत मिलने वाले अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों को पूरी तरह लागू करने की मांग की। शिक्षा और रोजगार के संबंध में उन्होंने कहा कि आदिवासी छात्रों के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा की जानी चाहिए तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के आरक्षित बैकलॉग पदों को शीघ्र भरने की मांग भी की।महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि आदिवासी महिलाओं और युवतियों से जुड़े मामलों पर सरकार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और मानव तस्करी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब तथ्यों के आधार पर दिया जाना चाहिए और सार्वजनिक जीवन में पद की गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। इसके अलावा पटवारी ने प्रदेश में तबादलों को लेकर भी सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और प्रशासनिक निर्णयों में पारदर्शिता की मांग की।पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी समाज के जल, जंगल, जमीन, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पार्टी आदिवासी भूमि, विस्थापन, वन अधिकार, रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा और प्रशासनिक अनियमितताओं से जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच और जवाबदेही सुनिश्चित करने की पक्षधर है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा विषय है तथा कांग्रेस इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाती रहेगी।

सड़कों पर विचरण करने वाले पशुओं के विरुद्ध निगम का अभियान जारी

34 पशु कांजी हाउस भेजे गए, 4 पशुओं को मिला चिकित्सकीय संरक्षण

भोपाल (ए.)। नगर निगम भोपाल द्वारा शहर की सड़कों, फुटपाथों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र रूप से विचरण करने वाले पशुओं को हटाने के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर शुक्रवार को गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई करते हुए 34 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा, जबकि 4 पशुओं को उपचार एवं देखभाल के लिए पशु चिकित्सालय 'आसरा' पहुंचाया गया। इसके अलावा हाका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हटाने की कार्रवाई की।

अभियान के तहत भदभदा, कैरियर कॉलेज, गोविंदपुरा थाना चौराहा, अन्ना नगर, साकेत नगर, अवधपुरी, बरखेड़ा, हाउसिंग बोर्ड करोंद, करोंद चौराहा, भोपाल मेमोरियल अस्पताल, मित्तल कॉलेज, न्यू चांदबड़, लामाखेड़ा, भैंसाखेड़ी, एयरपोर्ट, लालघाटी और बैरागढ़ सहित कई क्षेत्रों में सघन कार्रवाई की गई।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार सड़कों पर घूमने वाले पशु यातायात बाधित करने के साथ-साथ दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए नियमित रूप से ऐसे पशुओं को पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। निगम ने पशुपालकों से भी अपील की है कि वे अपने पशुओं को खुले में न छोड़ें और उनकी उचित देखभाल सुनिश्चित करें।नगर निगम का यह अभियान शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पशुओं के संरक्षण के उद्देश्य से निरंतर जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का इंदौर के तुलसी नगर में विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम में गज-माला से अभिनंदन किया गया।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से महिला की मौत,पति समेत तीन घायल

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के तलेन थाना क्षेत्र में सारंगपुर रोड पर शुक्रवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके पति सहित तीन लोग घायल हो गए।तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर के बाद बाइक सवार सड़क पर जा गिरे और स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसा तलेन-सारंगपुर रोड पर श्मशान घाट के समीप हुआ।पुलिस के अनुसार स्कॉर्पियो क्रमांक एमपी-09 एके-2600 ने सामने जा रही बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में इकलेरा निवासी हनीफ (42)पुत्र सलीम खान, उनकी पत्नी मुमताज बी (38) और रिश्तेदार आयशाबी (32) पत्नी आजाद खां गंभीर रूप से घायल हो गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना शहर और सिंहस्थ-2028 के लिए बन रही हैं

1133.67 करोड़ रुपए की परियोजना से सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं और शहरवासियों को बेहतर पेयजल सुविधा मिलेगी

उज्जैन, (ए.)। सिंहस्थ महापर्व-2028 को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। नगर निगम के माध्यम से 1133.67 करोड़ रुपए की लागत से हरियाखेड़ी परियोजना का कार्य प्रगतिरत है। शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा तथा तकनीकी अधिकारियों के साथ परियोजना स्थल का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना की वर्तमान प्रगति का निरीक्षण कर कार्य प्रगति की जानकारी ली। एसीएस श्री दुबे ने विश्वास जताया कि निर्धारित 24 माह की समय-सीमा में परियोजना पूर्ण हो जाएगी, जिससे सिंहस्थ -2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं एवं शहरवासियों को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि परियोजना के तहत सेलारखेड़ी, गंभीर, उंडासा एवं साहेबखेड़ी जल स्त्रोतों का उपयोग किया जाएगा। इसके माध्यम से शहर की बढ़ती आबादी और भविष्य की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पुरानी पाइपलाइन बदलकर जल क्षति को कम करने और हर घर तक पर्याप्त जलापूर्ति पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। हरियाखेड़ी परियोजना अंतर्गत 100 एमएलडी क्षमता के जल शोधन संयंत्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अंतर्गत इंटेकवेल, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट,

क्लैरिफ्लोक्युलेटर, फिल्टर हाउस एवं पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। परियोजना के कार्यों की निगरानी के लिए पीएचई विभाग के सहायक यंत्री शिवम दुबे द्वारा विकसित अमृत रेखा पोर्टल का भी एसीएस संजय दुबे ने अवलोकन किया। पोर्टल के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में बिछाई गई पाइपलाइन की प्रगति और कार्यों की स्थिति रियल टाइम में देखी जा सकती है।सीवर परियोजना का भी किया निरीक्षणअपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने अमृत 2.0 योजना अंतर्गत पार्श्वनाथ कॉलोनी में चल रहे सीवर लाइन विस्तार कार्य का निरीक्षण किया। यहाँ 200 मिमी व्यास की पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर है।

खंडवा-बड़ौदा हाइवे पर किसानों का चक्का जाम

खरगोन (ए.)। जिले के एनव्हीडीए विभाग द्वारा बिस्टान एवं खरगोन उदवहन सिंचाई परियोजना के पूर्ण होने के बाद भी किसानों को सिंचाई के

लिए पानी नहीं मिल पाने के कारण किसानों ने खंडवा बड़ौदा हाइवे पर पानी की मांग को लेकर चक्का जाम कर दिया उल्लेखनीय की एनव्हीडीए विभाग के पिपलई टैंक किसानों की मांग थी कि पिपलाई टैंक से नहर का पानी नदी-नालों में छोड़ा जाए,ताकि पेयजल,सिचाई और पशुओं के लिए पानी की समस्या दूर हो सके। पेयजल संकट और सूखे नदी-नालों से ग्रामीण अंचलों में परेशानी बढ़ती जा रही है। परेशान हाल किसान , पशुपालक ओर ग्रामीण पेयजल योजनाओं और सिंचाई बांध से पानी छोड़े जानी की आस लगाए बैठे है। शुक्रवार को खंडवा-बड़ोदरा हाईवे पर बसे ग्राम लाखी- बिलाली के किसानों ने पानी की माग को लेकर चक्काजाम कर दिया। लाखी बिलाली क्षेत्र के चार गांव के 250 से अधिक किसान सुबह करीब 11:30 बजे सड़क पर उतरे। करीब दो घंटे चले प्रदर्शन के दौरान हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। किसानों ने बताया कि बारिश नहीं होने से वेदा, कुंदा और खारक सहित कई नदी-नाले सूख चुके हैं। क्षेत्र में पेयजल संकट गहराता जा रहा है, जिससे ग्रामीणों और मवेशियों के लिए पानी की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है।

ग्वालियर में भीषण सड़क हादसा, 20 से अधिक घायल

भंडारे से लौट रहे थे श्रद्धालु40 से ज्यादा लोग ट्रैक्टर ट्रॉली से भंडारा खाने गए, लेकिन लौटते वक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई.

ग्वालियर (ए.)। जखारा-बिलारा मार्ग पर बुधवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया. भंडारा खाकर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई. इस हादसे में 20 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हो गए हैं. जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां और बच्चे शामिल हैं. जानकारी के मुताबिक, सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सूचना के बाद बिजौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई.वहीं घायलों को देखने आधी रात को कलेक्टर रुचिका चौहान अस्पताल पहुंची और सभी मरीजों से हाल चाल जाना. साथ ही घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए. यह घटना बिजौली थाना क्षेत्र के सुपावली रोड की है. बता दें कि सभी घायल ग्वालियर के बिजौली थाना के टोरियन के पूरा गांव के रहने वाले हैं. घायलों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं. जानकारी के मुताबिक, ट्रैक्टर ट्रॉली पर 40 से ज्यादा लोग सवार थे और ये सभी गांव से भंडारा खाकर लौट रहे थे.बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार होने के कारण ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई.

डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया से बचाव

उज्जैन,(ए.)। एडीज मच्छर के काटने से डेंगू, मलेरिया होता है, यह मच्छर दिन में काटता है। डेंगू के अधिकांश मामले पूरी तरह से ठीक हो जाते है और उनका प्रबंधन घर पर भी किया जा सकता है। डेंगू, मलेरिया के बचाव व नियंत्रण के लिए अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटाला या गंदगी न होने दें। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया कि मच्छर जनित रोगों का बचाव एवं नियंत्रण आमजन के सहयोग से आसानी से किया जा सकता है। अनेक स्थानों पर जल जमाव होने के कारण घरों में छोटे कंटेनर, टंकियों इत्यादि में एक सप्ताह से अधिक जल संग्रह करने की प्रवृत्ति के कारण डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसे रोग फैलाने करने वाले एडीज मच्छर का प्रजनन शुरू हो जाता है तथा नियमित साफ सफाई न होने के कारण इन मच्छरों के लार्वा उत्पत्ति का स्त्रोत बन जाते है। इन बीमारियों का प्रकोप अत्यधिक रहता है।

रीवा में ईडी की बड़ी कार्रवाई: तीन ठेकेदारों और स्टोन क्रेशर संचालक के ठिकानों पर छापेमारी

रीवा(ए.)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से हड़कंप मच गया। ईडी की अलग-अलग टीमों ने शहर के तीन बड़े ठेकेदारों और स्टोन क्रेशर संचालक के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान टीम ने कई दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच शुरू की है, हालांकि अभी तक छापे की आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम ने रीवा की पद्मधर कॉलोनी, इंद्रा नगर और जनता कॉलेज क्षेत्र स्थित ठेकेदारों के आवासों पर सुबह-सुबह पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। टीमों के पहुंचते ही इलाके में हलचल मच गई। बताया जा रहा है कि ईडी अधिकारियों ने घर और कार्यालयों में मौजूद दस्तावेज, लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य कागजातों की जांच शुरू की है। सूत्रों के अनुसार कुछ दिन पहले रीवा में ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों से जुड़े लोगों के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने भी मामला दर्ज किया था। यह कार्रवाई घटिया डामर के उपयोग से जुड़े मामले को लेकर हुई थी, जिसके बाद ठेकेदारों में काफी नाराजगी भी देखी गई थी। अब ईडी की कार्रवाई को भी उसी प्रकरण से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। बताया गया कि सुबह करीब 5 बजे पद्मधर कॉलोनी में ठेकेदार केके सोहगौरा के निवास पर ईडी की टीम पहुंची।

व्यापार समाचार

मेटा कुणाल शाह के क्रेड में कर सकती है निवेश

नईदिल्ली (ए.)। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा भारतीय फिनटेक स्टार्टअप क्रेड में निवेश करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों कंपनियों के बीच इसको लेकर बातचीत चल रही है। प्रस्तावित डील में क्रेड की वैल्यू करीब 4 अरब डॉलर (लगभग 380 अरब रुपये) आंकी गई है। बताया जा रहा है कि मेटा कंपनी में करोड़ों डॉलर का निवेश कर सकती है। हालांकि, इस संभावित समझौते को लेकर अभी किसी भी पक्ष ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मेटा केवल निवेश ही नहीं, बल्कि दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रही है। इनमें कम वैल्यूएशन पर क्रेड का अधिग्रहण करने और कंपनी के संस्थापक कुणाल शाह को किसी संचालन भूमिका में शामिल करने जैसे विकल्प भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, क्रेड को नए पूंजी निवेश की जरूरत है और मेटा ने कंपनी को समर्थन देने की इच्छा दिखाई है। हालांकि, अंतिम रूप से कौन सा रास्ता चुना जाएगा, यह अभी साफ नहीं है।

मेटा की क्रेड में दिलचस्पी के पीछे भारत के डिजिटल पेमेंट बाजार में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की रणनीति को अहम माना जा रहा है। मेटा पहले से व्हाट्सऐप पे के जरिए इस क्षेत्र में मौजूद है, लेकिन वह बड़ी हिस्सेदारी हासिल नहीं कर पाई है। भारत का यूपीआई नेटवर्क हर महीने करीब 23 अरब ट्रांजैक्शन प्रोसेस करता है। इसके बावजूद व्हाट्सऐप पे, क्रेड और दूसरे छोटे खिलाड़ियों की बाजार हिस्सेदारी अभी भी 1 प्रतिशत से कम बनी हुई है।

2018 में शुरू हुई क्रेड बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल वाले ग्राहकों पर फोकस करती है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 2,735 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व दर्ज किया, जो एक साल पहले की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। इसी दौरान परिचालन घाटा 51 प्रतिशत घटकर 298 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी के मासिक लेनदेन करने वाले यूजर बढ़कर 1.26 करोड़ हो गए, जबकि प्लेटफॉर्म पर कुल भुगतान मूल्य 23 प्रतिशत बढ़कर 8.5 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

एक्सेंचर की किस चेतावनी से बाजार में मचा हड़कंप? निवेशकों के 2 लाख करोड़ रुपये डूबे

नईदिल्ली(ए.)। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। बाजार खुलने के कुछ ही मिनटों में निवेशकों की करीब 2 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति घट गई। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 477 लाख करोड़ रुपये से घटकर 475 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। आईटी शेयरों में आई इस तेज गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक टेक कंपनी एक्सेंचर का कमजोर आउटलुक को लेकर जताई गई चिंता रही।

आईटी शेयरों में गिरावट की शुरुआत एक्सेंचर के नए अनुमान के बाद हुई। कंपनी ने पूरे साल के लिए अपने राजस्व वृद्धि अनुमान की ऊपरी सीमा को 5 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया। साथ ही, चौथी तिमाही के लिए भी उम्मीद से कम राजस्व का अनुमान दिया गया। कंपनी ने कहा कि मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव का उसके कारोबार पर असर पड़ा है और आने वाले समय में भी इसका दबाव बना रह सकता है। एक्सेंचर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर दुनियाभर में उत्साह बढ़ा है, लेकिन कंपनियां खर्च बढ़ाने से बच रही हैं। ग्राहक नए बजट जारी करने के बजाय अपने मौजूदा खर्च को ही एआई प्रोजेक्ट्स में लगा रहे हैं। कंपनी की आउटसोर्सिंग बुकिंग में भी सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की गिरावट आई। इससे निवेशकों को आशंका हुई कि भारतीय आईटी कंपनियों को भी आने वाली तिमाहियों में कमजोर मांग और धीमी वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है।

ऑल टाइम हाई से 46,000 रुपए टूटा गोल्ड, चांदी भी एक ही झटके में 22,000 रुपए हुई सस्ती

नई दिल्ली (ए.)। शादियों के सीजन और सोने-चांदी में निवेश की प्लानिंग कर रहे लोगों के लिए एक बहुत बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय कमोडिटी मार्केट (MCX) में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी सोने और चांदी की कीमतों में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। इस बड़ी गिरावट के बाद अब सोना अपने ऑल टाइम हाई (All Time High) के रिकॉर्ड स्तर से करीब 46 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो चुका है। शुक्रवार को बाजार खुलते ही सोने में 2 फीसदी से ज्यादा की भारी गिरावट देखी गई और MCX पर इसका भाव गिरकर 1,45,710 रुपये के निचले स्तर तक पहुंच गया। शाम 5 बजे के करीब यह 1.68 फीसदी की गिरावट के साथ 1,46,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था, जो कि इसी साल जनवरी में दर्ज किए गए 1.91 लाख रुपये के उच्चतम स्तर से बेहद कम है।

अमेरिकी फेड रिजर्व के एक फैसले से धड़ाम हुआ बाजार

ग्लोबल और घरेलू बाजार में सोने के इस तरह अचानक टूटने के पीछे मुख्य वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कड़े रुख को माना जा रहा है। फेडरल रिजर्व ने अपनी होल्डिंग बैठक में ब्याज दरों को फिलहाल स्थिर रखने का फैसला किया है, लेकिन साथ ही यह कड़े संकेत भी दिए हैं कि इस साल ब्याज दरों में एक बार फिर बढ़ोतरी की जा सकती है। अमेरिकी

फेड के इस आक्रामक रुख और बढ़ती महंगाई के खतरे के चलते ग्लोबल शेयर मार्केट के साथ-साथ सोने और चांदी पर बिकवाली का भारी दबाव बन गया, जिससे इसकी कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है।

महज दो दिन में सोना 7000 तो चांदी 22,000 हुई सस्ती

इस गिरावट ने उन खरीदारों को सबसे बड़ी राहत दी है, जो लंबे समय से सोने के सस्ते होने का इंतजार कर रहे थे। पिछले दो ही दिनों के भीतर सोने की कीमतों में 7 हजार रुपये से ज्यादा की कमी आई है। सिर्फ सोना ही नहीं, चांदी खरीदने वालों की भी चांदी हो गई है। शुक्रवार को चांदी की कीमतों में एक ही झटके में करीब 9,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई, जबकि इससे एक दिन पहले गुरुवार को चांदी 13,000 रुपये टूटी थी। यानी महज दो दिनों में चांदी 22,000 रुपये से ज्यादा सस्ती हो चुकी है। फिलहाल MCX पर चांदी का भाव फिसलकर 2,31,600 रुपये प्रति किलो के स्तर पर आ गया है, जो इसी साल की शुरुआत में 4.21 लाख रुपये प्रति किलो के अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था।

जानकारों की राय: खरीदारी का उत्तम समय, लेकिन बरतें ये सावधानी

बाजार विश्लेषकों और एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोने और चांदी की कीमतों में आई यह भारी गिरावट उन लोगों के लिए एक बंपर ऑफर की तरह है, जो लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं या घर में शादी-ब्याह के लिए आभूषण खरीदना चाहते हैं। हालांकि, शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स (कम समय के लिए दांव लगाने वाले) को थोड़ा सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि फेड रिजर्व के फैसलों के चलते आने वाले दिनों में बाजार में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस समय निवेशकों को एकमुश्त मोटी रकम फंसाने के बजाय किश्तों में (SIP के जरिए) धीरे-धीरे खरीदारी करने की रणनीति अपनानी चाहिए ताकि वे इस मंदी का पूरा फायदा उठा सकें।

बिकवाली के दबाव में खुला शेयर बाजार, आईटी कंपनियों के शेयरों में मंदी से सेंसेक्स 786 अंक डूबा

मुंबई(ए.)। वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी दिग्गज एक्सेंचर द्वारा चालू वित्त वर्ष के लिए अपने राजस्व वृद्धि अनुमान में कटौती करने के बाद भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई. इस नकारात्मक खबर से आईटी कंपनियों के शेयरों में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिससे पिछले पांच सत्रों से जारी बाजार की तेजी पर विराम लग गया।

सुबह के शुरुआती कारोबार में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 786.58 अंक या 1.02 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 76,624.90 के स्तर पर आ गया. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 210.95 अंक टूटकर 23,959.80 पर आ गया, जिससे यह 24,000 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गया. बाजार की इस अचानक आई गिरावट के कारण निवेशकों की संपत्ति में लगभग 3 लाख करोड़ की कमी आई है।

इस गिरावट की मुख्य धुरी बीएसई आईटी इंडेक्स रहा, जो शुरुआती सत्र में 5.38 प्रतिशत तक लुढ़क गया. एक्सेंचर के कमजोर दृष्टिकोण के कारण रातभर में अमेरिकी बाजारों में भारतीय आईटी कंपनियों के अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट्स में भारी गिरावट दर्ज की गई थी, जिसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा.आईटी सेक्टर के अलावा, बैंकिंग और कमोडिटी क्षेत्र के दिग्गजों जैसे एचडीएफसी बैंक और टाटा स्टील में भी मुनाफावसूली का दबाव देखा गया, जिसने सूचकांकों को और नीचे धकेल दिया।

अद्वित ज्वेल्स अगले 3 सालों में रंभजो ब्रांड के तहत 30 रिटेल शोरूम खोलेगी

नई दिल्ली, (ए.)। जयपुर स्थित आभूषण क्षेत्र की कंपनी अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह अगले तीन सालों में %रंभजो% ब्रांड के तहत 30 रिटेल शोरूम खोलकर अपने बिजनेस का विस्तार करेगी। इसके लिए फंड का कुछ हिस्सा कंपनी के आने वाले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से मिलने वाली रकम से जुटाया जाएगा।अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) नितिन गिलारा ने नई दिल्ली में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि अपने बी2बी (कंपनियों के बीच) कारोबार को प्रभावित किए बिना हम अगले तीन साल में देशभर में 30 खुदरा शोरूम खोलकर सीधे उपभोक्ताओं से जुड़े अपने व्यवसाय का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं।उन्होंने कहा कि कंपनी यह रिटेल शोरूम %रामभजो% ब्रांड के तहत खोलेगी। अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 जून को खुलेगा। कंपनी ने इस इश्यू के लिए 130-138 रुपये प्रति शेयर मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) तय किया है। यह आईपीओ पूरी तरह 1.19 करोड़ नए शेयरों के निर्गम पर आधारित है। इसके जरिये 165.15 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। यह आईपीओ 23 जून को खुलकर 25 जून को बंद होगा।उन्होंने कहा कि जयपुर में कंपनी का मुख्य रिटेल आउटलेट अक्टूबर-नवंबर तक शुरू होने की उम्मीद है और इसके बाद के स्टोर फ्रैंचाइज़ी मॉडल पर खोले जाएंगे। कंपनी दक्षिण भारत में विस्तार करने से पहले शुरुआती तौर पर उत्तर भारत पर ध्यान देगी, हालांकि अभी जगहों को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। जयपुर स्थित आभूषण क्षेत्र की कंपनी अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड खासतौर पर कुंदन, पोल्की, डायमंड और स्टडेड (रत्न जड़े) गहने बनाने के लिए जानी जाती है। इसका ब्रैंड नेम %रामभजो% है।कंपनी के डायरेक्टर गिलारा ने बताया कि गहने बनाने की पूरी प्रक्रिया जैसे सोना पिघलाना, शीट और चेन बनाना, नग जड़ना, पॉलिशिंग और क्वालिटी की जांच यह सब कुछ कंपनी के अंदर ही किया जाता है। कंपनी के कर्मचारियों का एक बड़ा हिस्सा कुशल कारीगरों का है और हर एक गहना बाजार में जाने से पहले कई लेवल की क्वालिटी जांच से गुजरता है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मानवीय त्रासदी की आखिर चिंता किसे

बड़े पर्यटन स्थल के रूप में उभरने की भारत की महत्त्वाकांक्षा पहले ही चोटिल हो चुकी है। अब ये धारणा बनी कि यहां सुरक्षित स्थितियां नहीं हैं, तो मेडिकल टूरिज्म भी प्रभावित हो सकता है।

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में हुए अग्निकांड ने राष्ट्रीय राजधानी में आम प्रशासन के ध्वस्त हो चुके सिस्टम की पोल खोली है। इस दर्दनाक घटना में 21 लोगों की जान गई, जिनमें दर्जन भर विदेशी हैं। दिल्ली में बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) स्कीम के तहत आवासीय इलाकों में मकानों को होटल की तरह चलाने की छूट मिली हुई है। मगर, इसके लिए नियम और शर्तें तय हैं। बुधवार को हुए हादसे ने बताया कि इन नियम- शर्तों की किस धड़ल्ले से और कितना बेखौफ होकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जिस बीएंडबी होटल में आग लगी, उसे छह कमरे देने की इजाजत थी, मगर वहां 26 कमरों में आगंतुक रखे जा रहे थे।

फायर संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की जरूरत उसके मालिक नहीं समझी थी! और अब यह साफ है कि दिल्ली सरकार या एमसीडी के अधिकारियों ने निगरानी या औचक निरीक्षण की या तो जरूरत नहीं समझी, या फिर उनकी मिलीभगत से यह गोरखधंधा चल रहा था। अब मीडिया रिपोर्टों से यह भी साफ है कि उस इलाके में ऐसे अपने होटल चल रहे हैं। और उसी इलाके में क्यों, जब वहां ऐसा हो रहा है, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि ऐसा राष्ट्रीय राजधानी के अन्य इलाकों में भी चल रहा होगा! अग्निकांड का शिकार हुआ होटल एक बड़े प्राइवेट अस्पताल के पास है। उस अस्पताल में इलाज कराने आए लोगों के परिजन आस-पास के ऐसे ठिकानों पर ठहरते हैं।

भारत- खासकर दिल्ली कथित मेडिकल टूरिज्म का प्रमुख स्थल है, जहां मध्य, पश्चिम एवं दक्षिण एशिया, अफ्रीका और कुछ यूरोपीय देशों के मरीज भी इलाज कराने आते हैं। इस हादसे की खबर उन देशों में कैसा माहौल बनाएगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। अभद्रता, महिलाओं से दुर्व्यवहार, गंदगी और बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यटन उद्योग के बड़े स्थल के रूप में उभरने की भारत की महत्त्वाकांक्षा पहले ही चोटिल हो चुकी है। अब ये धारणा बनी कि मरीज या उनके परिजनों के लिए यहां सुरक्षित स्थितियां नहीं हैं, तो मेडिकल टूरिज्म भी प्रभावित हो सकता है। मगर अपने यहां मानवीय त्रासदी और उनके दूरगामी परिणामों की आखिर चिंता किसे है!

सांसदों का लगातार दल बदलना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सही नहीं

-सौरभ वार्ष्णेय

सांसदों का लगातार दल बदलना लोकतंत्र के लिए स्वस्थ संकेत नहीं माना जा सकता। मतदाता किसी व्यक्ति को नहीं, बल्कि अक्सर पार्टी की विचारधारा और नेतृत्व को ध्यान में रखकर वोट देता है। इसलिए जनादेश का सम्मान करते हुए राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों दोनों को अपने आचरण में अधिक जवाबदेही दिखानी होगी। यही लोकतांत्रिक मर्यादा की मांग है। भारतीय राजनीति में दल-बदल और राजनीतिक पुनर्संरेखण कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब किसी दल के सांसद बड़ी संख्या में पार्टी छोड़ने लगें तो यह केवल संगठनात्मक संकट नहीं, बल्कि नेतृत्व और राजनीतिक दिशा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हाल के दिनों में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद उसके बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में सांसदों के विद्रोह और अब शिवसेना (उद्धव गुट) के कई सांसदों के संभावित पलायन की खबरों ने विपक्षी राजनीति में हलचल पैदा कर दी है।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पहले ही 2022 के विभाजन के बाद अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। अब ऑपरेशन टाइगर के तहत सात सांसदों के शिंदे गुट में जाने की अटकलें लग रही हैं। हालांकि पार्टी नेतृत्व इन खबरों का खंडन कर रहा है, लेकिन जिस प्रकार उद्धव ठाकरे को अपने सांसदों और विधायकों की बैठक बुलानी पड़ी, उससे संकट की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। दूसरी ओर, टीएमसी में भी बड़ी टूट की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्टों के अनुसार पार्टी के कई सांसदों ने अलग राजनीतिक रास्ता चुनने की कोशिश की है, जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती मिली है। इन घटनाओं के

राजनीतिक मायने दूरगामी हैं। पहला, यह विपक्षी दलों में नेतृत्व के प्रति बढ़ती असंतुष्टि को दर्शाता है। दूसरा, इससे सत्तापक्ष की राजनीतिक शक्ति और मजबूत हो सकती है क्योंकि विपक्ष का संख्याबल और मनोबल दोनों प्रभावित होते हैं। तीसरा, इससे मतदाताओं के बीच यह संदेश जाता है कि कई क्षेत्रीय दल वैचारिक प्रतिबद्धता की बजाय राजनीतिक अवसरवाद के दौर से गुजर रहे हैं।

लोकतंत्र में दल-बदल विरोधी कानून मौजूद है, लेकिन राजनीतिक दल अक्सर उसके कानूनी प्रावधानों के भीतर रहकर नए समीकरण बना लेते हैं। यही कारण है कि सांसदों और विधायकों के समूहगत स्थानांतरण का सिलसिला रुकता नहीं दिखता। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या यह केवल कुछ नेताओं की महत्वाकांक्षा का परिणाम है या फिर विपक्षी दलों के भीतर गहरे संगठनात्मक संकट का संकेत? यदि टीएमसी और शिवसेना जैसी पार्टियां अपने जनप्रतिनिधियों को साथ रखने में कठिनाई महसूस कर रही हैं, तो उन्हें आत्ममंथन करना होगा। केवल भाजपा या एनडीए पर आरोप लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा; दलों को अपने संगठन, नेतृत्व शैली और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद को मजबूत करना होगा।

आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? यह सोचने वाला प्रश्न है? आज सत्ता की मलाई के लिए जिस दल से चुनाव लड़ा बरसो जिससे पहचान बनी आज उसी दल के लिए बेवफा होना समझ से परे नहीं। अगर दल समझ नहीं आ रहा तो अपने पद से इस्तीफा देकर जिस दल में जाना चाहते हैं उससे चुनाव लडना चाहिए। लेकिन आज जैसा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सांसदों का अपनी तरफ सत्ता पक्ष इसलिए कर रहा है कि उसे मानसून सत्र में संसद बिल पास कराने हैं। चलो मान लिया कि सत्ता पक्ष ऐसा कर रहा है तो क्या दल की विश्वनीयता पर तो प्रश्न चिन्ह नहीं लगना चाहिए। खैर देखना होगा कि अभी कितने दलों के सांसदों का मन मलाई के पसीज रहा है।

राम का नाम बदनाम ना करो

- विनोद कुमार सिंह

'राम मंदिर,आस्था,प्रबंधन और जवाबदेही के बीच उठते सवाल -राम-राम जपना,चढ़ावे का मालअपना ?

भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं,भाषाई विविधता या सांस्कृतिक विरासत से नहीं होती,बल्कि उसकी गहरी धार्मिक चेतना और आस्था से भी होती है। यहाँ मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं हैं,बल्कि समाज की भावनाओं,विश्वासों और सांस्कृतिक निरंतरता के केंद्र भी हैं। करोड़ों लोग अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए मंदिरों में दान,दक्षिणा, चढ़ावा और सेवा अर्पित करते हैं।यह दान केवल आर्थिक लेन-देन नहीं होता,बल्कि भक्त और भगवान के बीच विश्वास का एक आध्यात्मिक सेतु होता है। यही कारण है कि जब किसी धार्मिक संस्था,ट्रस्ट या मंदिर के प्रबंधन को लेकर प्रश्न उठते हैं, तब मामला केवल प्रशासनिक या आर्थिक नहीं रह जाता,बल्कि सीधे-सीधे आस्था,विश्वास और जवाबदेही से जुड़ जाता है। ऐसे समय में लोकजीवन में प्रचलित एक पुरानी कहावत अचानक चर्चा के केंद्र में आ जाती है- राम-राम जपना,चढ़ावे का माल अपना। यह कहावत किसी धर्म, देवता या आस्था का उपहास नहीं करती,बल्कि उन प्रवृत्तियों पर व्यंग्य करती है जो धर्म और नैतिकता की बात तो करती हैं, किंतु व्यवहार में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से दूर दिखाई देती हैं। आज जब अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है,तब यह कहावत कुछ असहज किंतु आवश्यक प्रश्न भी खड़े करती है।

फाइबर अर्थव्यवस्था: भारत का अगला बड़ा वैश्विक अवसर

स्थानीय प्रचुरता से सतत सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में वैश्विक नेतृत्व तक

गिरिराज सिंह

फाइबर के साथ भारत का 5,000 बरस पुराना सभ्यतागत संबंध है, जो हमारे गाँवों, परंपराओं तथा सामूहिक पहचान में गहराई से गुँथा है। बुनी हुई हवा कहलाने वाली मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध मलमल से लेकर समस्ते महाद्वीपों तक फैली भारतीय कारीगरी तक — फाइबर हमेशा से हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा रहा है। आज, जब दुनिया वैश्विक स्थिरता की क्रांति की कगार पर खड़ी है, तब यही प्राचीन ज्ञान हमारी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति है।

दशकों तक केले के पेड़ के तने को बेकार अपशिष्ट मानकर फेंक दिया जाता था। आज वही बायोमास प्रीमियम फाइबर बनकर निर्यात बाज़ारों की मांग पूरी कर रहा है, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बना रहा है और इस कृषि अवशेष को राष्ट्रीय आय में बदल रहा है। अपशिष्ट से समृद्धि तक, स्थानीय प्रचुरता से वैश्विक अवसर तक — यही भारत की न्यू एज फाइबर मुहिम का सार है, जो हरित सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है।

न्यू एज फाइबर ऐसे टिकाऊ एवं पौधों-आधारित पदार्थ हैं, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक नवाचार के साथ जोड़ते हैं। बांस, भाँग, केला, पीएएलएफ, फ्लैक्स, रेमी, सिसल, मिल्कवीड और कपोक जैसे फाइबर सदियों से मौजूद रहे हैं, लेकिन अब इन्हें वस्त्र उद्योग, रक्षा, बायोडिग्रेडेबल कंपोज़िट्स और प्रीमियम उत्पादों में उच्च-मूल्य उपयोगों के लिए नए सिरे से खोजा जा रहा है। ये हरित भविष्य के लिए भारत के प्राकृतिक फाइबर भंडार का विस्तार कर रहे हैं।

बढ़ती आय, वैश्विक स्थिरता संबंधी अनिवार्यताएँ और ट्रेसेबल सोर्सिंग की आवश्यकताएँ वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को पूरी तरह बदल रही हैं और एक नई फाइबर अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। उपभोक्ता अब अपने पहनने के कपड़ों में आराम, पसीना सोखने की क्षमता या ब्रीदेबिलिटी और टिकाऊपन चाहते हैं। यही महत्वकपूर्ण बदलाव भारत में फाइबर की खपत को आज के 15 एमएमटी से बढ़ाकर 2030 तक 23 एमएमटी तक ले जाने वाला है। दुनिया अब तेजी से वही तलाश रही है, जिसे भारत प्रदान कर सकता है : नैतिक, टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन वाले प्राकृतिक फाइबर, जो सदियों के अनुभव पर आधारित हैं।

इस विजन को एक स्पष्ट संस्थागत एवं नीतिगत ढाँचे का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2026-2031 के लिए 5,664 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाले मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी के अंतर्गत न्यू एज फाइबर्स के लिए 300 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान रखा गया है। इस प्रयास को और सशक्त बनाते हुए, केंद्रीय बजट 2026 27 में घोषित राष्ट्रीय फाइबर मिशन एक व्यापक रणनीतिक ढाँचा प्रदान करता है, जो चार प्रमुख स्तंभों : कृषि-सूत्र- खेती और कच्चे माल के विकास के लिए, इन्फिनिटी-अनुसंधान एवं नवाचार के लिए, ग्राम-सेतु - अवसंरचना और उद्यम सृजन के लिए, तथा जीएमपीएस: ब्रांडिंग और बाज़ार विकास के लिए - पर आधारित है ।

इस नीतिगत ढाँचे की शक्ति दशकों से जारी वैज्ञानिक अनुसंधान में निहित है, जिसे ठोस परिणाम पहले से ही सामने आ चुके हैं। मिल्कवीड (आक/मदार) जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव को अर्पित किया जाता है, नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (एनआईटीआरए) में 18 वर्षों के अनुसंधान के बाद एक बड़ी कामयाबी के तौर पर सामने आया है। अब इसका उपयोग रक्षा क्षेत्र में, विशेषकर 20 C तापमान में कार्यरत सैनिकों के लिए स्लीपिंग बैग बनाने में किया जा रहा है। ये स्लीपिंग बैग अपने पॉलिएस्टर विकल्पों की तुलना में 10% हल्के, ऊन से अधिक गर्म तथा सीएलओ/सेल प्रमाणित हैं। 55 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि पर बिना उर्वरक के उगाए जाने पर यह पौधा किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 1.5 2 लाख रुपये तक की आय प्रदान करने की क्षमता रखता है।

केले का फाइबर प्रतिवर्ष लगभग 1.8 मिलियन टन उत्पादन की क्षमता रखता है और कृषि अवशेषों से किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान कर सकता है, जबकि बांस प्रति हेक्टेयर 60 टन तक बायोमास उत्पादन करने की क्षमता रखता है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए बड़े अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। भाँग भी एक उभरता हुआ वैश्विक बाज़ार बन रहा है, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में जिसकी खेती की पहले से ही अनुमति है। फ्लैक्स, सिसल, रेमी, पीएएलएफ, बिछुआ या नेटल और कपोक जैसे फाइबरों के साथ मिलकर ये सभी भारत के टिकाऊ एवं प्राकृतिक फाइबर आधार का निरंतर विस्तार कर रहे हैं।

इस वैज्ञानिक गति को आगे बढ़ाते हुए,न्यू एज फाइबर्स पर राष्ट्रीय सेमिनार एक ऐसे मंच के रूप में उभरा, जहाँ विज्ञान, नीति और उद्यम एक साथ आ सके। इसने शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, किसान संगठनों, उद्योग जगत के दिग्गजों और नीति-निर्माताओं को एक ही मंच पर एकत्रित किया। सभी दस प्राथमिकता प्राप्त फाइबर्स को कवर करने वाले तीन कार्य बलों की रिपोर्टें जारी की गईं, जिन्होंने क्षेत्रीय विज्ञान को सीधे योजनाओं के डिज़ाइन और निवेश की प्राथमिकताओं में बदल दिया।

इस सेमिनार ने मानकों, प्रसंस्करण अवसंरचना और संस्थागत वित्तपोषण में मौजूद खामियों की भी स्पष्ट रूप से पहचान की , जो एक ऐसे मिशन को दर्शाता है जो केवल नीति नहीं, बल्कि वास्तविक क्रियान्वयन पर केंद्रित है। इसमें प्रमुख प्राथमिकताएँ: उत्पादन को पाँच वर्षों में 10,000 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 10 लाख मीट्रिक टन तक पहुँचाना, गुणवत्ता मानकों का विकास करना, मशीनरी के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना, आयातित प्रसंस्करण तकनीक पर निर्भरता कम करना और खेती से लेकर मूल्य संवर्धन तक क्लस्टर आधारित फाइबर इकोसिस्टम का निर्माण करना सामने आईं। ये सभी कदम मिलकर न्यू एज फाइबर्स को ग्रामीण समृद्धि और टिकाऊ विकास के लिए एक संपूर्ण सरकारी मिशन बनाते हैं। शायद सबसे परिवर्तनकारी कार्य फाइबर ब्लेंडिंग है। भारत की वास्तविक शक्ति किसी एक फाइबर में नहीं, बल्कि उन्हें समझदारी से संयोजित करने में निहित है—जैसे थर्मल हल्केपन के लिए मिल्कवीड, गर्माहट के लिए ऊन, ब्रीदेबिलिटी के लिए बांस, और कोमलता के लिए कपास। मिश्रित कपड़ा या ब्लेंडेड फैब्रिक कोई समझौता नहीं है; यह प्रदर्शन को उन्नत बनाना है - ऐसे कपड़े तैयार करना जो अधिक मजबूत, अधिक स्मार्ट और अधिक टिकाऊ हों, साथ ही बेहतर आराम, नमी सोखने की क्षमता, टिकाऊपन तथा फैशन, जीवनशैली और तकनीकी वस्त्रों में बहुपयोगिता प्रदान करें। इसके लाभ पूरी मूल्य शृंखला में फैलते हैं। उपभोक्ताओं को बेहतर आराम और कार्यक्षमता मिलती है, निर्माताओं को प्रीमियम और विशिष्ट उत्पाद विकसित करने का अवसर मिलता है, और किसानों को विविध प्रकार की मांग तथा अधिक मजबूत आय प्राप्त होती है। भारत के लिए, ब्लेंडिंग या मिश्रण केवल एक तकनीकी नवाचार भर नहीं है; यह कच्चे फाइबर आपूर्ति से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, मूल्य-संवर्धित और भारतीय पहचान से जुड़े ब्रांड्स तक पहुँचने का एक सेतु है।

डिजिटल लॉकर में भविष्य,क्रेडिट बैंक में जमा होगी पढ़ाई

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा क्षेत्र में केंद्र की बड़ी सौगात

विष्णु प्रसाद वर्मा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के तहत छत्तीसगढ़ को मिली सबसे बड़ी सौगातों में से एक—एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) और डिजीलॉकर एकीकरण योजना ने राज्य के उच्च शिक्षा परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा विभाग के समन्वय से सत्र 2023-24 से अनिवार्य रूप से लागू हुई यह योजना वर्ष 2026 में पूरी तरह परिपक्व हो चुकी है। अब राज्य का हर छात्र अपनी जेब में डिजिटल यूनिवर्सिटी लेकर घूम रहा है।

क्या है यह क्रेडिट बैंक और कैसे बदलेगी जिंदगी?

कल्पना कीजिए एक ऐसे बैंक की, जहाँ पैसा नहीं बल्कि आपकी पढ़ाई और कॉलेज के क्रेडिट (अंक) जमा होते हैं। यदि किसी वजह से आपकी पढ़ाई बीच में छूट जाए, तो यह बैंक आपकी मेहनत को बेकार नहीं जाने देता।

मान लीजिए बस्तर के किसी कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र को पारिवारिक कारणों से सेकंड ईयर के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। पहले की व्यवस्था में उसकी दो साल की पढ़ाई जीरो मान ली जाती थी। अब पहले दो वर्षों में छात्र ने जो भी अंक या क्रेडिट कमाए हैं, वे उसकी एबीसी आईडी के जरिए डिजिटल बैंक में सुरक्षित रहेंगे। दो या तीन साल बाद जब वह दोबारा पढ़ना चाहेगा, तो वह रायपुर, बिलासपुर या देश के किसी भी अन्य विश्वविद्यालय में सीधे थर्ड ईयर में प्रवेश ले सकेगा। इसे ही मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट कहा गया है।

मेष राशि-आपके लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपका बड़ा कार्य पूरा हो सकता है। आज आप नई व्यापारिक योजना बनाने में कामयाब होंगे। घर में मांगलिक कार्य होने की संभावना बन रही है।

वृष राशि-आपका दिन आनंद से भरपूर रहेगा। आज परिवार में आपके किए गए कार्यों की प्रशंसा होगी। आपके अपनों का पूरा साथ मिलेगा। आप मित्रों के साथ आज कहीं घूमने जा सकते हैं। आज के दिन आप घर परिवार के लिए कुछ खर्चे भी करेंगे। कारोबार में स्थिति सामान्य रहेगी।

मिथुन राशि-आज आप का दिन खुशहाल रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत की कला लोगों को प्रभावित करेगी। प्रगति के अवसर बढ़ेंगे। लेकिन आप भाग्य के भरोसे न बैठकर परिश्रम करें। आज परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। पारिवारिक मामलों में आपसी समझदारी से बात बनेगी।

कर्क राशि- आज आपके लिए दिन लकी रहेगा। आज आप किसी नये काम की शुरूआत कर सकते हैं। आपकी आर्थिक दशा में सकारात्मक बदलाव आएगा। आप अपने बिजनेस को नया आयाम दे पायेंगे बिजनेस में पैसा लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आय के साधन बनेंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा परीक्षार्थियों में प्रतियोगी परीक्षा को लेकर उत्साह बना रहेगा।

सिंह राशि- आज आपके दिन का बेहतर शुरुआत होगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों पर आज अचानक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आ सकती है, जिसे पूरा करने में सफल होंगे। आपको उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। जिससे आपको लाभ मिलेगा।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आप अपने कारोबार में नये मुकाम हासिल करेंगे। आपके आय में वृद्धि होने के योग हैं। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आप अपनी चतुर कार्यशैली से अपने हर कार्य को पूरा कर अपनी अलग पहचान बनाएंगे। आपका दांपत्य जीवन सुखी रहेगा।

तुला राशि- आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला दिन रहेगा। आज आप अपने बिजनेस की ग्रोथ के लिए योजनाएं बनाएंगे। जिससे आगे चलकर आपको बड़ा लाभ मिलेगा। आपके घर में मांगलिक कार्य हो सकता हैं। मित्रों से आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आपको कई साधनों से धन लाभ के योग हैं। सोच-समझकर किसी पर विश्वास करें।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी फैमिली लाइफ बेहतर रहेगी। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। आज आप किसी नये प्रोजेक्ट की शुरूआत कर सकते हैं। आपको बड़ा लाभ मिलेगा। आपके बिजनेस में तेजी आएगी। आप धार्मिक कार्यों में काफी खर्च करेंगे। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ने का योग है।

धनु राशि- आपको भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। आज आपको किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ने का मौका मिलेगा जिसकी बहुत दिनों से आपको प्रतीक्षा थी। नौकरी में आपका ओहदा बढ़ेगा। जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आमदनी बढ़ने की अच्छी संभावना है। अधिक एक्साइटमेंट से काम बिगड़ सकता है। पारिवारिक माहौल खुशहाल रहेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक तौर पर अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। आपकी कार्य योजनाएं सफल होंगी। आपके आय के साधन बढ़ने के योग हैं। इस दौरान आप पारिवारिक समारोहों पर काफी खर्च करेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा कहीं से धन लाभ के योग हैं।

कुंभ राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आपके पारिवारिक सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बढ़ेगा। आप एक अच्छे वातावरण का लाभ उठा पायेंगे। आपके रोजगार के साधनों में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन राशि- आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आपको नौकरी में अचानक लाभ की स्थिति बनेगी। आपकी मेहनत सफल होगी। आपके बच्चों को परीक्षा का बेहतर परिणाम हासिल होंगे। संतान की ओर से अच्छी खबर मिल सकती है।

प्रकृति के पुनर्जन्म का भारत मॉडल: एक नई सभ्यता की शुरुआत

[संसद से ज्यादा खेतों में लिखा जा रहा है सभ्यता का भविष्य]
[मिट्टी, मन और मिशन: भारत की वह हरित कहानी जो दुनिया पढ़ रही है]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

सभ्यताओं का भविष्य केवल संसदों में नहीं, खेतों की मिट्टी, जंगलों की हरियाली और जलस्रोतों की जीवनधारा में भी लिखा जाता है। ऐसे समय में जब दुनिया भूमि क्षरण, सूखे और मरुस्थलीकरण की गंभीर चुनौती से जूझ रही है, भारत ने आशा और संकल्प का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2011 से 2020 के बीच देश ने 21.76 मिलियन हेक्टेयर क्षतिग्रस्त भूमि को पुनर्जीवित किया है, जो 'बॉन चैलेंज' के 26 मिलियन हेक्टेयर लक्ष्य का लगभग 84 प्रतिशत है। यह केवल भूमि बहाली का आंकड़ा नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय दृष्टि का प्रमाण है जिसने विकास और प्रकृति को विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री माना। भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि जलवायु नेतृत्व संपन्नता से नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से हासिल होता है।संकल्प और संवेदनशीलता के साथ यह यात्रा वर्ष 2015 में शुरू हुई, जब भारत ने 'बॉन चैलेंज' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। प्रारंभ में लक्ष्य 2020 तक 13 मिलियन हेक्टेयर और 2030 तक अतिरिक्त 8 मिलियन हेक्टेयर भूमि बहाली का था, जिसे बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2019 में यूएनसीसीडी के 14वें पक्षकार सम्मेलन के दौरान बढ़ाकर 26 मिलियन हेक्टेयर कर दिया गया। 17 जून 2026 को विश्व मरुस्थलीकरण विरोधी दिवस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा जारी दूसरी प्रगति रिपोर्ट ने इस प्रगति को वैश्विक मंच पर रखा। रिपोर्ट में तेलंगाना को सर्वाधिक भूमि पुनर्स्थापन करने वाला राज्य बताया गया, जबकि आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडिशा का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। इन राज्यों ने वनरोपण, जल संरक्षण, एग्रोफॉरेस्ट्री और प्राकृतिक पुनरुत्थान से अनुपयोगी भूमि को फिर से जीवन दिया।किसी भी पर्यावरणीय कार्यक्रम की सफलता तभी है जब उसका असर सीधे जनजीवन तक पहुंचे। भारत की भूमि बहाली यात्रा की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि उसने हरियाली के साथ आजीविका भी पैदा की। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 1.22 अरब व्यक्ति-दिवस रोजगार सृजित हुए। ग्रामीण युवा, महिलाएं और सीमांत किसान इसके प्रमुख लाभार्थी बने। जहां कभी बंजर भूमि बेरोजगारी, पलायन और निराशा का प्रतीक थी, वहां आज हरे खेत, फलदार बाग और पशुधन के लिए चारा दिखाई देता है। इस पहल ने मिट्टी को उपजाऊ बनाया, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति दी, गरीबी घटाई और गांवों को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया। यह सामाजिक न्याय और आर्थिक समावेशन का ऐसा मॉडल है, जिसकी प्रासंगिकता लंबे समय तक रहेगी।इस उपलब्धि का पर्यावरणीय प्रभाव दीर्घकालिक है। स्वस्थ भूमि केवल फसल नहीं उगाती, बल्कि भविष्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। पुनर्स्थापित भूमि कार्बन अवशोषण बढ़ाती है, मिट्टी की उर्वरता लौटाती है और जल चक्र को संतुलित करती है। इससे सूखा और बाढ़ जैसी आपदाओं की तीव्रता कम होती है। जैव विविधता को नया आवास मिलता है और पारिस्थितिक तंत्र मजबूत होता है। वैज्ञानिक लंबे समय से मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सबसे प्रभावी और कम खर्चीला उपाय स्वस्थ भूमि है। भारत ने इस सत्य को व्यवहार में बदलकर दिखाया है, इसलिए वैश्विक भूमि बहाली विमर्श में उसकी भूमिका अग्रिम पंक्ति में है।दुनिया के सामने 'बॉन चैलेंज' का लक्ष्य 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि पुनर्स्थापन का है। इस वैश्विक अभियान में भारत का योगदान प्रेरक और नेतृत्वकारी दोनों माना जा रहा है। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब कई विकसित देश अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों और आर्थिक प्राथमिकताओं के बीच संतुलन साधने में संघर्ष कर रहे हैं। भारत ने सिद्ध किया है कि आर्थिक विकास और प्रकृति संरक्षण अलग राहें नहीं, बल्कि साथ-साथ चलने वाली प्रक्रिया हैं। यह उपलब्धि वैश्विक दक्षिण की क्षमता का संदेश है कि समाधान संसाधनों से नहीं, बल्कि दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता से निकलते हैं। भारत की सफलता का मूल आधार उसकी नीतिगत स्पष्टता और जनभागीदारी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, ग्रीन इंडिया मिशन, संयुक्त वन प्रबंधन समितियां और राज्यों की स्थानीय पहलें मिलकर काम कर रही हैं। स्थानीय समुदायों को भागीदार और संरक्षक बनाकर प्रयासों को स्थायित्व दिया गया है। एग्रोफॉरेस्ट्री ने खेती और वानिकी के बीच सहयोग बढ़ाया है, जबकि ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और भू-स्थानिक तकनीक ने निगरानी और मूल्यांकन को अधिक सटीक बनाया है। यही कारण है कि भारत का मॉडल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सहभागी विकास और पर्यावरण प्रबंधन का वैश्विक उदाहरण बन गया है। फिर भी आत्मसंतोष का कोई कारण नहीं है। देश में अभी भी विशाल क्षेत्र भूमि क्षरण की समस्या से प्रभावित है। 2030 तक निर्धारित शेष लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयासों की गति और व्यापकता दोनों बढ़ानी होंगी। निजी क्षेत्र, स्टार्टअप्स, अनुसंधान संस्थानों और युवा नवाचारकों को इस अभियान से अधिक गहराई से जोड़ना होगा। जलवायु वित्त की उपलब्धता बढ़ाना भी अनिवार्य है, ताकि छोटे किसान, वनवासी और आदिवासी समुदाय इस परिवर्तन के पूर्ण लाभार्थी बन सकें। साथ ही, सतत निगरानी, वैज्ञानिक मूल्यांकन और परिस्थितियों के अनुरूप रणनीतियों में निरंतर सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि प्राप्त उपलब्धियां टिकाऊ और दीर्घकालिक बनी रहें।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 20 जून 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

दिल्ली के मंगोलपुरी में फर्नीचर दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया. संजय गांधी अस्पताल के पीछे स्थित ऑटो मार्केट के पास एक फर्नीचर की दुकान में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया. दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा।

घटना रात करीब तीन बजे की है. स्थानीय लोगों ने अचानक दुकान से उठती आग की लपटें और धुआं देखा, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी. सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया. दुकान में बड़ी मात्रा में लकड़ी और फर्नीचर का सामान रखा हुआ था. ज्वलनशील सामग्री अधिक होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया. दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे आसपास की अन्य दुकानों तक फैलने से रोक दिया।

लंदन में दर्जनों जजों के बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की ख़बरों को हटाने की मांग, हाईकोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली(आरएनएस)। पिछले दिनों लंदन में दर्जनों जजों के बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की खबरों को मनगढ़ंत और झूठा बताते हुए बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. बैडमिंटन एसोसिएशन ने इन खबरों को फर्जी बताते हुए इन्हें हटाने की मांग की है. हाईकोर्ट ने इस याचिका पर आज दोपहर बाद सुनवाई करने का आदेश दिया है।

शुक्रवार को बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से पेश वकील अपूर्व कुरुप ने इस याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की. उन्होंने कहा कि दर्जनों जजों के लंदन में बैडमिंटन खेलने की खबरें वायरल हो गई हैं. इन खबरों से ये खेल बदनाम हो रहा है. मेंशनिंग के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें याचिका की एडवांस कॉपी मिल चुकी है और इस संबंध में फर्जी खबर कई गुणा तेज गति से वायरल हो रही है।

वायरल सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया है कि चीफ जस्टिस सूर्यकांत और कुछ केंद्रीय मंत्रियों के साथ देश के करीब 75 जज लंदन जाकर बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लिया. ये सारा आयोजन देश के करदाताओं के पैसे से किया गया. इस वायरल पोस्ट से देश की न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे।

लोग बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले जजों की ईमानदारी पर भी सवाल उठाने लगे. हालांकि सरकार की फैक्ट चेकिंग यूनिट ने इस खबर को खारिज करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्रियों अर्जुन मेघवाल और किरण रिजिजू के लंदन जाकर बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की खबरें फर्जी हैं. फैक्ट चेकिंग यूनिट ने कहा कि जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई हैं वे 2025 में दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम की हैं न कि लंदन की।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन पहुंचे लद्दाख, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल

श्रीनगर(आरएनएस)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तीन दिन के दौरे पर शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख पहुंचे. वह यहां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेंगे. उप राष्ट्रपति का स्वागत लेह के कुशोक बकुला रिनपोछे एयरपोर्ट पर लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना ने किया।

इस अवसर पर लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद कारगिल के मुख्य कार्यकारी पार्षद डॉ. मोहम्मद जाफर अखून, लद्दाख से लोकसभा सांसद मोहम्मद हनीफा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने बताया कि उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन तीन दिन के दौरे पर लेह में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समेत कई कार्यक्रम में भाग लेंगे. इस कार्यक्रम में युवा, सशस्त्र बलों के कर्मचारी और विभिन्न संगठनों के सदस्य योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के संदेश को बढ़ावा देने में भाग लेंगे।

इसको लेकर एलजी सक्सेना ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, '' उपराष्ट्रपति की अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले उपस्थिति अत्यंत प्रेरणादायक है. योग की शाश्वत परंपरा के उत्सव की तैयारी के बीच उनका मार्गदर्शन और नेतृत्व हमें अधिक स्वस्थ, संतुलित और सामंजस्यपूर्ण जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करेगा.''एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरे के दौरान, उप-राष्ट्रपति 20 जून को सीमावर्ती गांव लुकुंग जाएंगे, जहां वे स्थानीय स्वयं सहायता समूहों से बातचीत करेंगे और 'वाइब्रेंट विलेजेज' कार्यक्रम के तहत सीमा क्षेत्र में जारी विकासात्मक पहलों की समीक्षा करेंगे. वह युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे।

दिल्ली सरकार ने सर्दियों के लिए पहले ही जारी किया प्रदूषण नियंत्रण रोडमैप, नागरिकों और संस्थानों को मिलेगा तैयारी का पर्याप्त समय

सर्दियां आने के बाद नहीं, बल्कि महीनों पहले बताए जा रहे हैं संभावित प्रतिबंध और व्यवस्थाएं ताकि लोगों को न हो असुविधा : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार ने सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए शीतकालीन वायु गुणवत्ता प्रबंधन व्यवस्था (Proactive Winter Air Quality Management Framework) अधिसूचित कर दी है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के अनुसार अब तक आमतौर पर ऐसा होता था कि सर्दियों में प्रदूषण बढ़ने या ग्रैप के तहत विभिन्न प्रतिबंध लागू होने के बाद लोगों को नई व्यवस्थाओं की जानकारी मिलती थी, जिससे नागरिकों, उद्योगों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, निर्माण एजेंसियों, संस्थानों और अन्य हितधारकों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता था। कई बार लोगों को असुविधा का भी सामना करना पड़ता था। लेकिन इस बार दिल्ली सरकार ने इस व्यवस्था को बदलने का निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री ने बताया कि अब सरकार सर्दियों की शुरुआत से कई महीने पहले ही यह स्पष्ट कर रही है कि नवंबर से फरवरी के दौरान प्रदूषण बढ़ने की स्थिति में कौन-कौन से कदम उठाए जा सकते हैं, किन व्यवस्थाओं को लागू किया जा सकता है और विभिन्न क्षेत्रों से क्या अपेक्षाएं रहेंगी। इससे नागरिकों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए), उद्योगों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, निर्माण एजेंसियों और सरकारी विभागों को अग्रिम योजना बनाने और आवश्यक तैयारियां करने का पर्याप्त समय मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछले कई वर्षों से नवंबर से फरवरी के बीच वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित होती रही है और एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अक्सर 'बहुत खराब' (Very Poor) और 'गंभीर' (Severe) श्रेणी में पहुंच जाता है। यह हालात हर वर्ष पैदा हो रहे हैं, इसलिए दिल्ली सरकार ने केवल आपातकालीन प्रतिक्रिया पर निर्भर रहने के बजाय अग्रिम तैयारी, समयबद्ध हस्तक्षेप और बेहतर समन्वय पर आधारित रणनीति अपनाई है। यह फ्रेमवर्क पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत अधिसूचित किया गया है और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी संशोधित ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के पूरक के रूप में कार्य करेगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी विभाग और एजेंसियां सर्दियों के महीनों में निरंतर तैयार रहें और प्रदूषण नियंत्रण उपाय प्रतिकूल परिस्थितियों के आने से पहले ही लागू किए जा सकें न कि केवल ग्रैप लागू होने के बाद। मुख्यमंत्री ने बताया कि अधिसूचित व्यवस्था के तहत दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर केवल उन्हीं वाहनों को ईंधन मिलेगा, जिनके पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) होगा।

पूर्वोत्तर में मूसलाधार बारिश, उत्तर-पश्चिम में आंधी-ओले का अलर्ट जारी

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश के वेदर पैटर्न में एक बार फिर बड़ा उलटफेर होने जा रहा है। एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस), चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र और मजबूत होते दक्षिण-पश्चिम मानसून के मेल से उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के बड़े हिस्से में तेज आंधी, बारिश, आकाशीय बिजली और ओलावृष्टि की स्थितियां बन रही हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र ने असम, मेघालय और सिक्किम जैसे राज्यों के लिए मूसलाधार बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी और पहाड़ी इलाकों में धूलभरी आंधी और ओलों की चेतावनी दी गई है।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों और मैदानों में उग्र मौसम

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक दे चुके पश्चिमी विक्षोभ के कारण कई राज्यों में मौसम का मिजाज बिगड़ सकता है। पहाड़ी और मैदानी राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चलने और बिजली कड़कने के आसार हैं। हिमाचल और कश्मीर के कुछ हिस्सों में ओले भी गिर सकते हैं। राजस्थान में इसका असर सबसे ज्यादा दिखेगा, जहां हवाओं की रफ्तार 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है और पश्चिमी इलाकों में धूल का गुबार छाने की आशंका है।

56 साल के हुए राहुल गांधी, पीएम मोदी ने जन्मदिन पर दीं शुभकामनाएं

नईदिल्ली(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को 56 साल के हो गए। उनका जन्म साल 1970 में हुआ था। राहुल ने महज 14 साल की उम्र में अपनी दादी इंदिरा गांधी को खो दिया था। इसके बाद उनके पिता की भी हत्या कर दी गई थी। इस राहुल काफी छोटे थे। लंबे समय बाद राहुल ने 2004 में राजनीति में कदम रखा और अब वह विपक्ष का सबसे अहम चेहरा हैं। हालांकि, राहुल के राजनीति में आने के बाद से कांग्रेस पार्टी एक-एक कर अधिकतर राज्य खो चुकी है। अब केरल, कर्नाटक और हिमाचल जैसे चुनिंदा राज्यों में ही कांग्रेस सत्ता में है।

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। उनकी अच्छी सेहत और लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं। पीएम मोदी के अलावा बीजेपी, कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के कई नेताओं ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।केरल में कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया पर राहुल के राजनीतिक सफर और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनके कमिटमेंट की तारीफ करते हुए मैसेज और तस्वीरें शेयर कीं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में यंत्र इंडिया लिमिटेड की इकाई, ऑर्डनेंस फैक्ट्री अंबाझरी में 10,000 टन की एक्सट्रूज़न प्रेस की आधारशिला का अनावरण किया।

यूएन में भारत ने जम्मू-कश्मीर को अभिन्न अंग बताया, कहा-पाकिस्तान आतंकवाद का निर्यात करता है

नईदिल्ली,(आरएनएस)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 62वें सत्र में पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए जम्मू और कश्मीर के संबंध में इस्लामाबाद के आरोपों को खारिज कर दिया। भारत ने पाकिस्तान को एक फ्रैंकस्टीन राज्य बताया, जिसने आतंकवाद को अपनी नीति के रूप में बढ़ावा दिया और अब अपने ही कर्मों का फल भुगत रहा है। भारत ने कहा कि जब उसका अपना ही आतंकवाद रूपी राक्षस पलटवार करता है तो वह चौंक जाता है।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने जम्मू-कश्मीर के संबंध में पाकिस्तान और इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) द्वारा किए गए बयानों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा,हम ओआईसी द्वारा जम्मू-कश्मीर के संदर्भों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। पाकिस्तान का दुष्प्रचार उसकी घरेलू विफलताओं और आतंकवाद को समर्थन देने को छिपाने के लिए रचा गया है। ओआईसी समन्वयक की भूमिका का उसका दुरुपयोग इस धोखे को और भी पुष्ट करता है।

पीओके में हिंसा को लेकर भारत ने कहा, रावलकोट में जारी त्रासदी, सैकड़ों नागरिकों की हत्या और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में क्रूर कार्रवाई, जबरन कब्जे पर आधारित और आर्थिक मंदी के जरिए कायम रखी गई व्यवस्था का नतीजा है। दशकों से चले आ रहे सैन्य अतिक्रमण, जनसांख्यिकीय हेरफेर और बुनियादी स्वतंत्रताओं से वंचित करने के कारण स्थिति ऐसी हो गई है कि रोटी, बिजली, अधिकार और सम्मान जैसी मांगों का भी गोलियों और क्रूरता से सामना करना पड़ता है।

सिंह ने कहा, पाकिस्तान वह देश है जहां मौजूदा रक्षा मंत्री आतंकवादियों को पनाह देने, प्रशिक्षण देने और तैनात करने को राज्य नीति बताते हैं और फिर भी पाकिस्तान खुद को आतंकवाद का शिकार कहता है।

डिलीवरी के बाद मां-नवजात की दर्दनाक मौत, चिता की राख में मिली सर्जरी वाली कैंची; सरकारी अस्पताल की खुली पोल

भद्राद्री कोठागुडेम (आरएनएस)। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले से स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलने वाला एक बेहद खौफनाक और दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां एक सरकारी अस्पताल की घोर लापरवाही के कारण न केवल एक नवजात बच्ची और उसकी मां की जान चली गई, बल्कि अंतिम संस्कार के बाद मृतका की अस्थियों से कुछ ऐसा मिला जिसने सभी के रोंगटे खड़े कर दिए। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और तत्काल प्रभाव से चिकित्सा अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है।

नर्स ने कराया प्रसव, कुछ ही घंटों में उजड़ गया परिवार

जानकारी के अनुसार, जिले के गुंडाला मंडल के शंभूनिगुडेम गांव की रहने वाली 21 वर्षीय गर्भवती महिला चटला वनजा को 13 जून को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। घबराए परिजन उसे तुरंत गुंडाला के सरकारी अस्पताल ले गए। लेकिन बदकिस्मती से वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। आनन-फानन में अस्पताल की स्टाफ नर्स ने ही महिला का सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) करा दिया। जन्म के बाद नवजात बच्ची की हालत बिगड़ने लगी, जिसे देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए इल्लेंदु अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

अस्थियां चुनने गए परिजनों के उड़े होश

बच्ची की मौत का सदमा परिवार अभी बर्दाश्त भी नहीं कर पाया था कि अत्यधिक रक्तस्राव (ब्लीडिंग) के कारण खम्मम ले जाते समय रास्ते में प्रसूता वनजा ने भी दम तोड़ दिया। इसे एक साधारण मौत मानकर गमगीन परिजनों ने उसी शाम को मां और बच्ची का अंतिम संस्कार कर दिया। गुरुवार की सुबह जब परिवार के लोग और ग्रामीण रीति-रिवाजों के अनुसार श्मशान घाट में अस्थियां चुनने पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मृतका की अस्थियों के बीच सर्जरी में इस्तेमाल होने वाली एक कैंची पड़ी थी।

लापरवाही से गई जान, चिकित्सा अधिकारी सस्पेंड

राख में कैंची मिलने के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। उनका आरोप है कि जब डॉक्टरों के अनुसार प्रसव सामान्य हुआ था तो महिला के शरीर में कैंची कैसे पहुंची? अंदेशा जताया जा रहा है कि अत्यधिक ब्लीडिंग रोकने के लिए रुई लगाते समय मेडिकल स्टाफ अपनी घोर लापरवाही के चलते कैंची अंदर ही भूल गया, जो इन दोनों मौतों का असली कारण बनी। जब पीड़ित परिवार ने गुंडाला के चिकित्सा अधिकारी सुदीप से इसका जवाब मांगा, तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि प्रसव सामान्य था और उन्हें नहीं पता कि कैंची वहां कैसे आई। परिजनों द्वारा जिले के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएमएचओ) से की गई सख्त शिकायत के बाद, मामले की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सा अधिकारी सुदीप को निलंबित कर दिया गया है और पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की बढ़ी मुश्किलें, कलकत्ता हाईकोर्ट ने नोटिस किया जारी

कलकत्ता (ए)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को अदालत की अवमानना करने के मामले में नोटिस भेजा है। यह नोटिस तृणमूल कांग्रेस की सालाना शहीद दिवस रैली के संबंध में है, जो 21 जुलाई 2025 को बुलाई गई थी। इस रैली ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 2018 के फैसले का उल्लंघन किया था, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को साफ निर्देश था कि वो शहर के किसी भी मार्ग को अवरुद्ध नहीं करें।हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट में सालाना शहीद दिवस के संबंध में अवमानना याचिका दाखिल की गई थी। यह याचिका जस्टिस अरिजित बनर्जी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष दाखिल की गई है। इस संबंध में शुक्रवार को प्रारंभिक सुनवाई हुई। इसके बाद खंडपीठ ने आदेश दिया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को अवमानना का नोटिस जारी किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई तीन जुलाई को होगी।बता दें कि 2018 में कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने फैसला सुनाया था कि कोई भी राजनीतिक दल शहर के मुख्य हिस्सों को ब्लॉक नहीं करेगा। यह फैसला न्यायमूर्ति

ज्योतिर्मय भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी ने सुनाया था। तत्कालीन खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा था कि सड़क का एक हिस्सा हमेशा पैदल चलने वाले और वाहन चालकों के लिए खुला रहना चाहिए। एंबुलेंस सहित अन्य आपातकालीन स्थितियों में सड़क का एक हिस्सा हमेशा खुला रहे। इसके अलावा अगर जरूरत पड़े तो वाहनों के सुगम आवागमन के लिए दूसरे रोड की व्यवस्था की जाए। हाईकोर्ट ने 2018 में पुलिस को आदेश दिया था कि वो मीडिया के माध्यम से लोगों को ट्रैफिक डायवर्जन के बारे में जानकारी दें। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर राजनीतिक बैठक या रैली के दौरान किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ या हिंसा की स्थिति पैदा होती है, तो आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट में एक दूसरी याचिका दाखिल की गई है, जिसमें यह दावा किया गया है कि गत वर्ष 21 जुलाई को तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली के दौरान 2018 के फैसले का उल्लंघन किया गया है। याचिका में यह भी दावा किया गया कि टीएमसी की 'शहीद दिवस' रैली सेंट्रल कोलकाता के एस्प्लेनेड में एक अहम जंक्शन को पूरी तरह से ब्लॉक करके आयोजित की गई थी, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हुई।

बलौदाबाजार हिंसा मामला : सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को जारी किया नोटिस

बिलासपुर(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ बलौदाबाजार जिले में हिंसा और आगजनी मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई के बाद छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। एसएलपी पर अगली सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 17 जुलाई की तिथि निर्धारित की है।

हाईकोर्ट से जमानत याचिका हो चुकी है खारिज

बता दें कि बलौदाबाजार में हुए बहुचर्चित हिंसा और आगजनी मामले में आरोपी अमित बघेल,अजय यादव और दिनेश कुमार वर्मा की छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने तीनों की जमानत याचिका को खारिज कर दी थी। अजय यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जमानत की गुहार लगाई है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास के सिंगल बेंच ने 19 मई 2026 को आवेदकों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आवेदक अमित बघेल और अजय यादव छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के पदाधिकारी हैं, उन पर सात से आठ हजार लोगों की भीड़ को भड़काने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिस बल पर जानलेवा हमले का गंभीर आरोप है।

अमेरिका-ईरान समझौते के बाद भी इजरायल का लेबनान पर हमला जारी, 16 की मौत

बेरूत (आरएनएस)। फ्रांस में अमेरिका और ईरान के बीच 14 सूत्रीय समझौते के बाद भी इजरायल का लेबनान पर हमला जारी है। उसने नबातीह जिले में भीषण बमबारी की है, जिसमें 16 लोग मारे गए हैं।सूत्रों ने दक्षिणी लेबनान के नबातीह जिले में इजरायल के हमलों को सबसे भीषण हमलों में से एक बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली सेना ने रात भर हवाई हमलों के जरिए कई घरों को निशाना बनाया है। इजरायली सेना ने एक बयान में बताया कि हमलों में दक्षिणी लेबनान में ईरान के मोर्चे पर स्थित हिज्बुल्लाह आतंकवादियों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। सूत्रों ने बताया कि इजरायली सेना ने कहा है कि यह हमले ईरान समर्थित समूह द्वारा बार-बार युद्धविराम के उल्लंघन के जवाब में किए गए थे। बता दें कि इससे पहले गुरुवार को इजरायल ने फिलिस्तीन के गाजा शहर पर हमला किया था, जिसमें 3 लोगों की मौत हुई थी।फ्रांस के वर्साय में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने समझौता ज्ञापन पर जो हस्ताक्षर किए हैं, उसमें पहली शर्त लेबनान समेत सभी मोर्चों पर पूरी तरह हमले रोकने की बात है। ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा था, हम लेबनान, हिज्बुल्लाह और इजरायल सहित सभी मोर्चों पर पूर्ण युद्धविराम की उम्मीद करते हैं। इसके बाद उन्होंने ट्रुथ पर भी शांति के लिए प्रतिबद्धता जताई थी।

ईरान समझौते की आलोचना पर वेंस का नेतन्याहू को संदेश, कहा- ट्रंप इजरायल के इकलौते सहयोगी

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ हुए समझौते की आलोचना करने पर इजरायल नेताओं को निशाने पर लिया और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि नेतन्याहू के मंत्रिमंडल के भीतर कुछ लोग समझौते की आलोचना कर रहे हैं। वेंस ने कहा कि इजरायल को यह समझना चाहिए की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वो एकमात्र नेता हैं, जो इजरायल को पसंद करते हैं।

वेंस से एक पत्रकार ने पूछा था कि इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू समझौते को लेकर बेहद नाराज हैं। इस पर उन्होंने कहा, बीबी के मंत्रिमंडल में ऐसे लोगों को देखा है, जो सामने आकर इस समझौते की आलोचना कर रहे हैं, और कुछ मायनों में उन्होंने व्यक्तिगत रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पर हमला किया है। पहली बात तो यह है कि ट्रंप इस समय पूरी दुनिया में एकमात्र ऐसे राष्ट्राध्यक्ष हैं, जो इजरायल के प्रति सहानुभूति रखते हैं।

वेंस ने आगे कहा कि अगर वह इजरायली सरकार के मंत्रिमंडल में होते, तो शायद वह दुनिया में बचे अपने इकलौते शक्तिशाली सहयोगी पर हमला नहीं कर रहे होते। उन्होंने इजरायली सरकार के मंत्रियों को याद दिलाया कि पिछले 3 महीनों में, इजरायल की रक्षा करने वाले 2 तिहाई हथियार अमेरिकी द्वारा बनाए गए हैं और अमेरिकी करदाताओं के पैसों से खरीदे गए हैं। अमेरिका इजरायल को प्रतिवर्ष 4 अरब डॉलर (37,000 करोड़ रुपये) की सैन्य सहायता देता है।

वेंस ने आगे कहा, इजरायल के लिए समस्या ट्रंप नहीं हैं। और इजरायल में जो भी यह सोचता है कि उनकी सबसे बड़ी समस्या अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, उन्हें जागने और उस देश की स्थिति की वास्तविकता को समझने की जरूरत है। बता कें कि नेतन्याहू सरकार में वित्त मंत्री बेज़लेल स्मोट्रिच और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन गिविर नेतन्याहू के धुर दक्षिणपंथी सहयोगी हैं और दोनों ने इजरायल से समझौते की शर्तों को नजरअंदाज करने का आह्वान किया है।

बिना हिजाब के गाना गाने पर ईरानी सिंगर को 74 कोड़े मारने की सजा, देश छोड़ने पर भी लगा बैन

तेहरान (आरएनएस)। ईरान की चर्चित गायिका परस्तू अहमदी और उनके साथ जुड़े आठ अन्य कलाकारों को एक ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम के मामले में अदालत ने 74-74 कोड़ों की सजा सुनाई है। इसके साथ ही सभी पर दो वर्षों तक देश छोड़ने और किसी भी प्रकार की कलात्मक गतिविधि में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह फैसला ईरान के कोम प्रांत की एक अदालत ने दिसंबर 2024 में यूट्यूब पर प्रसारित किए गए एक लाइव कॉन्सर्ट से जुड़े मामले में सुनाया। अदालत ने कलाकारों पर अश्लील सामग्री प्रकाशित करने और सार्वजनिक शालीनता के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय परस्तू अहमदी ने दिसंबर 2024 में बिना हिजाब पहने यूट्यूब पर एक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया था। इस दौरान उन्होंने ईरान का प्रसिद्ध देशभक्ति गीत अज खूने जवानाने वतन गाया था। कार्यक्रम में वह बिना हिजाब और बिना बाजू वाली पोशाक में नजर आई थीं। उनके साथ चार पुरुष संगीतकार भी मौजूद थे। करीब 27 मिनट लंबे इस वीडियो को यूट्यूब पर लाखों लोगों ने देखा और यह तेजी से सोशल मीडिया पर

वायरल हो गया। वीडियो के कैप्शन में इसे एक काल्पनिक कॉन्सर्ट बताया गया था। हालांकि, वीडियो के प्रसारण के बाद ईरानी अधिकारियों ने अहमदी और कई अन्य संगीतकारों को हिरासत में लिया था। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया, लेकिन उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रही।ईरान में महिलाओं के लिए सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब पहनना अनिवार्य है। साथ ही, महिलाओं को सार्वजनिक मंचों पर अकेले गायन प्रस्तुत करने की भी अनुमति नहीं है। अधिकारियों का मानना है कि परस्तू अहमदी का यह प्रदर्शन देश के मौजूदा नियमों के विरुद्ध था। परस्तू अहमदी इससे पहले वर्ष 2022 में हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के दौरान भी चर्चा में आई थीं। उन पर उस समय आंदोलन के समर्थन में गीत गाने का आरोप लगा था, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने उनसे पूछताछ की थी।इस फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि केवल गायन और बिना हिजाब सार्वजनिक रूप से दिखाई देने के कारण इतनी कठोर सजा देना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और महिलाओं के अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।कानूनी विशेषज्ञों ने भी फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि ईरानी कानून में महिलाओं के संगीत प्रस्तुत करने या संगीत संबंधी सामग्री प्रकाशित करने को स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं रखा गया है।

मॉस्को में हुई काली बारिश, देखकर चौंके लोग, रूस का इनकार-ऐसा कैसे हो सकता है

मॉस्को, (आरएनएस)। मॉस्को की एक बड़ी तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन के ज़बरदस्त ड्रोन हमले के बाद गुरुवार को रूसी राजधानी मॉस्को के कुछ हिस्सों पर काले, तैलीय पदार्थ की परत जम गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले के कारण एक अजीब घटना हुई, जिसमें रिहायशी इलाकों में काले तेल के कण बारिश की तरह गिरने लगे। यह घटना राजधानी क्षेत्र पर यूक्रेन के अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद हुई है, जिसमें यूक्रेन ने लगभग 200 ड्रोन दागे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, इन हमलों से आसमान में घने धुएं के गुबार उठने लगे और काली बारिश हुई, इससे मॉस्को के आस-पास के इलाके में कम से कम 17 लोग घायल हो गए।

यूक्रेन के हमलों और विस्फोटों के बाद, सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल होने लगे। इन वायरल क्लिप्स में कारों, खिड़कियों और सड़कों पर चिपचिपी, काली परत जमी हुई दिखाई दे रही है। कई वीडियो में लोगों को उस तैलीय तरल पदार्थ को छूते हुए दिखाया गया है, जिससे पता चलता है कि ज़हरीला कचरा स्थानीय इलाकों में किस तरह फैल गया है।

ऑनलाइन फैल रहे कई वीडियो और तस्वीरों के बावजूद, नगर निगम के अधिकारियों ने शुरू में इस संकट को कम करके दिखाने की कोशिश की। स्थानीय अधिकारियों ने सख्ती से इस बात से इनकार किया कि शहर में किसी तरह की तेल की बारिश हो रही थी।

ट्रंप बोले- ईरान ने समझौते में बिना शर्त आत्मसमर्पण किया, मेरी ताकतों की कोई सीमा नहीं

वाशिंगटन,(आरएनएस)। ईरान के साथ समझौते को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ समझौता तेहरान का बिना शर्त आत्मसमर्पण है। उन्होंने आगे दावा किया कि उनकी शक्ति की कोई सीमा नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने युद्ध को वैश्विक आर्थिक मंदी में बदलने से रोकने के लिए यह समझौता किया है।

ट्रंप ने कहा, मैंने इस समझौते पर बातचीत इसलिए की, ताकि यह वैश्विक आर्थिक मंदी का रूप न ले ले। मैं और सख्त तभी हो सकता हूं जब मैं 2-3 हफ्ते के लिए वहां जाकर उन पर लगातार बमबारी करता रहूं। है ना लेकिन इससे हमें क्या मिलेगा? होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो जाएगा। हमें महीनों तक तेल नहीं मिलेगा। इस तरह की चीजें वैश्विक मंदी का कारण बन सकती हैं।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या युद्ध ने उन्हें अपनी शक्ति की सीमाओं के बारे में सिखाया है, तो उन्होंने कहा, मैंने अभी तक यह सबक नहीं सीखा है। मैं जानता हूं कि सीमाएं हैं, लेकिन कोई सीमा नहीं है। ऐसी नाकाबंदी और कौन कर सकता था? मैंने नौसैनिक नाकाबंदी की थी जिसमें एक भी जहाज पार नहीं कर पाया। कुछ ने कोशिश की थी, लेकिन यह ज्यादा देर तक नहीं चली।

समझौता होने के बाद अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नौसैनिक नाकाबंदी हटा ली है। अमेरिकी सेना ने यह भी कहा कि अमेरिकी युद्धपोत उस क्षेत्र में मौजूद रहेंगे। समुद्री निगरानीकर्ताओं के अनुसार, बीते दिन 3 तेल टैंकर और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस से लदा एक फ्रांसीसी जहाज होर्मुज से गुजरा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि बुधवार रात को होर्मुज जलडमरूमध्य से 12.5 अरब बैरल से ज्यादा तेल गुजरा है।

मोजतबा ने ईरान-अमेरिका समझौते पर कहा- बेताब थे ट्रंप, ईरानी अधिकारों के आश्वासन पर दी मंजूरी

तेहरान(आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अपना पहला बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अलग राय होने के बावजूद उन्होंने समझौते को मंजूरी दी है। मोजतबा ने कहा कि राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने यह आश्वासन दिया कि ईरान के अधिकारों और प्रतिरोध मोर्चे के हितों की रक्षा की जाएगी, जिसके बाद वे सहमत हुए हैं।मोजतबा ने कहा, असल में, मेरी राय अलग थी, लेकिन, सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख के तौर पर पेजेश्कियन ने अपनी और दूसरे सदस्यों की तरफ से ईरानी देश और प्रतिरोध मोर्चे के अधिकारों की सुरक्षा के बारे में जो वादा किया था, और उस जिम्मेदारी को मानने के कारण, मैंने अपनी इजाजत दे दी। मोजतबा ने कहा कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही थे, जिन्होंने हताशा में आकर समझौते को अंजाम देने के लिए हर तरह का फायदा उठाया।

फीचर

रेटिनॉल, हयालूरोनिक एसिड और सैलिसिलिक एसिड में से किसका करना चाहिए इस्तेमाल? जानें

त्वचा की देखभाल के लिए कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है। इनमें से कुछ प्रोडक्ट्स में रेटिनॉल, हयालूरोनिक एसिड और सैलिसिलिक एसिड जैसे तत्व मौजूद होते हैं। ये सभी तत्व त्वचा की देखभाल में अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल का तरीका अलग है। आइए जानते हैं कि इन तीन के बीच क्या अंतर है और किसका इस्तेमाल त्वचा के लिए ज्यादा अच्छा है।

रेटिनॉल क्या है और इसके फायदे

रेटिनॉल विटामिन-ए का एक रूप है, जो त्वचा की कोशिकाओं को नया जीवन देता है। यह त्वचा की बनावट को सुधारने, महीन रेखाओं और झुर्रियों को कम करने और रंग में सुधार लाने में मदद करता है। रेटिनॉल त्वचा को कोमल और चमकदार बनाने में भी सहायक होता है। इसके अलावा यह मुंहासों की समस्या को भी दूर कर सकता है। हालांकि, इसका इस्तेमाल करने से पहले त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है।

हयालूरोनिक एसिड के लाभ

हयालूरोनिक एसिड एक ऐसा तत्व है, जो त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करता है और पानी को खींचता है। यह त्वचा को भरपूर और ताजा दिखाने में मदद करता है। हयालूरोनिक एसिड का नियमित इस्तेमाल करने से त्वचा की नमी बनी रहती है और यह सूखापन दूर करता है। इसके अलावा यह झुर्रियों को कम करने में भी मदद करता है। हयालूरोनिक एसिड का कोई नुकसान नहीं होता और यह सभी प्रकार की त्वचा पर काम करता है।

सैलिसिलिक एसिड क्या है?

सैलिसिलिक एसिड एक प्रकार का एसिड है, जो त्वचा की गहराई तक जाकर गंदगी और तेल को साफ करता है। यह मुंहासों की समस्या को दूर करने में बेहद असरदार है और त्वचा की तैलीयता को नियंत्रित करता है। सैलिसिलिक एसिड मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है और रोमछिद्रों को खोलता है, जिससे त्वचा साफ और स्वस्थ रहती है। यह संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए भी सुरक्षित है।

इन तीनों में से किसका इस्तेमाल करना है बेहतर?

अब सवाल यह उठता है कि इन तीनों में से किसका इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर है? अगर आपकी त्वचा तैलीय या मुंहासे वाली है तो सैलिसिलिक एसिड आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है, वहीं अगर आपकी त्वचा रूखी या उम्र के असर से परेशान है तो हयालूरोनिक एसिड और रेटिनॉल दोनों ही आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। हालांकि, इन तीनों का इस्तेमाल करने से पहले त्वचा विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

'द इंडिया स्टोरी' रिलीज़ से पहले फूड सेफ्टी पर काजल अग्रवाल ने अपनी दमदार पोस्ट से छेड़ी अहम बहस

देशभर में फूड एडल्टरेशन यानी खाद्य मिलावट को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच फ़िल्म द इंडिया स्टोरी की अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे की ओर सभी का ध्यान खींचा है। हाल ही में अपनी सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए उन्होंने भारतीय आमों के निर्यात पर कीटनाशक अवशेष और क्वारंटीन संबंधी चिंताओं को लेकर सामने आई रिपोर्ट्स साझा की है। इस मुद्दे को उन्होंने अपनी आगामी फिल्म द इंडिया स्टोरी से जोड़ते हुए लिखा है, दुर्भाग्य से यह भारत की कहानी है, ये द इंडिया स्टोरी है। फिलहाल इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि फिल्म की कहानी भी खाद्य मिलावट जैसे गंभीर विषय और उसके सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरनाक प्रभावों के इर्द-गिर्द घूमती है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म में काजल अग्रवाल के साथ श्रेयस तलपड़े भी अहम भूमिका में नजर आनेवाले हैं। फिल्म का उद्देश्य उस सच्चाई को सामने लाना है, जो हर दिन लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि कहानी और निर्माण सागर बी.शिंदे ने संभाली है।

45 की उम्र में टीवी एक्ट्रेस किश्वर मर्चेंट ने ढाया कहर, मोनोकनी पहन बीच किनारे दिए पोज

टीवी एक्ट्रेस किश्वर मर्चेंट इन दिनों अपने पति संग वैकेशन एंजॉय करती नजर आ रही हैं. वैकेशन से उन्होंने अपनी कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं. जिसमें वो मोनोकनी पहने नजर आईं. 45 की उम्र में एक्ट्रेस का ये अंदाज देख फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं.हिप हिप हुर्रे, एक हसीना थी, प्यार की ये एक कहानी और कैसी ये यारियां जैसे शोज में काम कर चुकीं किश्वर मर्चेंट अब काफी ग्लैमरस हो गई हैं. किश्वर मर्चेंट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें एक्ट्रेस मोनोकनी पहने नजर आईं. 45 की उम्र में किश्वर मर्चेंट का ये अंदाज देख फैंस उनपर से नजर नहीं हटा पा रहे हैं. बढ़ती उम्र के साथ-साथ वो और भी खूबसूरत होती जा रही हैं. किश्वर मर्चेंट ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप और खुले बालों के साथ कंप्लीट किया है. बीच किनारे किश्वर मर्चेंट ने मोनोकनी में जमकर पोज दिए हैं. उनकी मुस्कान फैंस को दीवाना बना रही है. किश्वर मर्चेंट की इन ग्लैमरस फोटोज ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है. लोग इनपर खूब प्यार लुटा रहे हैं. बता दें, एक्ट्रेस की शादी टीवी एक्टर और सिंगर सुयश राय के साथ हुई है. दोनों ने 16 दिसंबर 2016 को सात फेरे लिए थे. कपल का एक बेटी भी है।

बॉक्स ऑफिस पर पेड्डी के लड़खड़ाने लगे कदम, मैं वापस आऊंगा ने दिखाया दम

बॉक्स ऑफिस की अग्निपरीक्षा में कई दिनों तक सफलता से टिकने के बाद पेड्डी के कदम अब लड़खड़ाने लगे हैं। राम चरण अभिनीत यह पैन-इंडिया फिल्म कमाई के मामले में हर दिन नीचे गिर रही है। दूसरी तरफ दिलजीत दोसांझ की फिल्म मैं वापस आऊंगा की कमाई में दिन पर दिन उछाल देखने को मिल रहा है। वहीं मिमोह चक्रवर्ती अभिनीत हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी की कमाई को तगड़ा झटका लगा है। आइए जानते हैं इन फिल्मों की ताजा कमाई।

सैकनिल्क के मुताबिक, पेड्डी ने रिलीज के 14वें दिन 2.45 करोड़ रुपये कमाए हैं। पिछले दिनों में, 13वें दिन का कलेक्शन 3.45 करोड़ रुपये और 12वें दिन का कलेक्शन 4.10 करोड़ रुपये था। कारोबारी दिनों में आकर फिल्म लगातार गिरावट का सामना कर रही है। इसका कुल कलेक्शन अब 226 करोड़ रुपये हो चुका है, जबकि विश्व स्तर पर कमाई 320.20 करोड़ रुपये हुई है। बुची बाबू सना द्वारा निदेर्शित फिल्म में जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु और बोमन ईरानी भी हैं।

ऑनलाइन परफ्यूम खरीदना चाहते हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

आजकल ऑनलाइन खरीदारी का चलन बहुत बढ़ गया है, खासकर परफ्यूम जैसी चीजों के लिए। बिना सुंघे परफ्यूम खरीदना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन सही जानकारी और सावधानी बरतकर आप अच्छे विकल्प चुन सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देंगे, जिनसे आप बिना सुंघे परफ्यूम खरीदे भी अपने लिए सही विकल्प चुन सकते हैं। इन सुझावों की मदद से आप ऑनलाइन परफ्यूम खरीदारी को आसान और सुरक्षित बना सकते हैं।

ब्रांड और रेटिंग्स पर ध्यान दें

ऑनलाइन परफ्यूम खरीदते समय सबसे पहले ब्रांड और रेटिंग्स पर ध्यान देना जरूरी है। अच्छे और लोकप्रिय ब्रांड्स की परफ्यूम हमेशा बेहतर गुणवत्ता की होती हैं। इसके अलावा रेटिंग्स और समीक्षाएं पढ़कर आप यह जान सकते हैं कि अन्य ग्राहकों को उन परफ्यूम से कैसा अनुभव रहा है। इससे आपको यह अंदाजा होगा कि कौन सी परफ्यूम आपके लिए सही रहेगी। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं।

सामग्रियों की सूची देखें

परफ्यूम की सामग्रियों की सूची देखना भी अहम है। इससे आपको यह पता चलेगा कि उसमें कौन-कौन से तत्व शामिल हैं और वे आपकी त्वचा के लिए कितने अनुकूल हैं। कुछ परफ्यूम में कृत्रिम तत्व होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जबकि प्राकृतिक तत्व वाला परफ्यूम ज्यादा सुरक्षित होता है। इसके अलावा किसी भी नई परफ्यूम का इस्तेमाल करने से पहले उसकी सामग्रियों की जानकारी जरूर लें ताकि आपको किसी प्रकार की समस्या न हो।

कीमत का मिलान करें

जब आप ऑनलाइन परफ्यूम खरीदें तो उसकी कीमत का मिलान जरूर करें। अलग-अलग वेबसाइट्स पर एक ही परफ्यूम की कीमत में अंतर हो सकता है, इसलिए सबसे उचित दाम वाली वेबसाइट चुनें। इसके अलावा छूट या विशेष ऑफर भी देखें ताकि आप अच्छी डील पा सकें। कभी-कभी वेबसाइट्स पर खास छूट या कूपन कोड भी मिल सकते हैं, जिससे आपकी खरीदारी और भी सस्ती हो सकती है। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं।

वापसी नीति पढ़ें

अगर आपको खरीदी हुई परफ्यूम पसंद नहीं आती या उसमें कोई समस्या होती है तो वापसी नीति पढ़ना जरूरी है। ज्यादातर ऑनलाइन स्टोर्स परफ्यूम की वापसी नीति प्रदान करते हैं, जिससे आप असंतुष्ट उत्पाद वापस कर सकते हैं। इससे आपको नुकसान उठाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा कुछ स्टोर्स बदलने का विकल्प भी देते हैं, जिससे आप अपनी असंतुष्ट परफ्यूम को बदल सकते हैं। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं।

विशेषज्ञ सलाह लें

अगर फिर भी संदेह हो तो विशेषज्ञ सलाह लेना बेहतर हो सकता है। कई वेबसाइट्स पर विशेषज्ञ द्वारा सुझाए गए विकल्प होते हैं, जिन्हें देखकर आप बेहतर निर्णय ले सकते हैं। इसके अलावा अपने दोस्तों या परिवार वालों से भी राय ले सकते हैं, जिन्होंने पहले से वही परफ्यूम इस्तेमाल की हो। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं और अपनी खरीदारी को सुरक्षित बना सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने संजय अग्रवाल को छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जेल के दूषित पानी से त्रस्त वार्डवासी, एनएसयूआई ने दी आंदोलन की चेतावनी

धमतरी,(ए.)। नगर निगम क्षेत्र के बठेना वार्ड और सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड में सालों बाद भी निकासी व्यवस्था का स्थायी हल नहीं निकल पाया है। हालत यह है कि वर्षा के मौसम में यहां के रहवासियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहां के रहवासी समस्या के निराकरण की मांग करते-करते थक चुके हैं। वार्डवासियों ने समस्या के स्थायी निराकरण की मांग की है। शुक्रवार को एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने यहां निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।नगर निगम क्षेत्र के सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड में जिला जेल के पीछे रहने वाले वार्डवासी लंबे समय से दूषित पानी, जलभराव और जर्जर नाली व्यवस्था की समस्या से जूझ रहे हैं। जेल परिसर से निकलने वाले गंदे पानी के कारण क्षेत्र में बदबू और गंदगी का माहौल बना हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है तथा संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। रहवासियों के अनुसार पूर्व में निर्मित नाली की निकासी रेलवे ट्रैक निर्माण के बाद बाधित हो गई, जिसके चलते गंदे पानी के बहाव का रास्ता बंद हो गया है और पानी लगातार जमा हो रहा है। कई बार नगर निगम, महापौर एवं संबंधित अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। स्थिति इस कदर गंभीर है कि क्षेत्र में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला के बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है।

23 जून को कैबिनेट

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की साय सरकार के कैबिनेट की बैठक 23 जून को आहूत की गई है। कैबिनेट में मानसून सत्र की तैयारी और आने वाले विधेयकों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही कैबिनेट में चालू खरीफ सीजन ओर मानसून की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा अन्य विभागों के प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि विधानसभा का मानसून सत्र 13 से 17 जुलाई तक आहूत की गई है। पांच बैठकों के सत्र में राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक लाएगी। इस दौरान अनुपूरक बजट भी लाए जाने की संभावना है।

सऊदी अरब से नागपुर आया छत्तीसगढ़ के 122 हाजियों का पहला जत्था

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के माध्यम से हजयात्रा पर गए हजयात्रियों की सऊदी अरब से वतन वापसी प्रारंभ हो गई है। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने बताया है कि आज राज्य के 122 हाजियों की नागपुर सकुशल वापसी हुई है। हाजियों का पहला जत्था आज नागपुर एयरपोर्ट पर पहुंचा। श्री बेग ने बताया कि नागपुर एयरपोर्ट पर समस्त हाजियों को 5-5 लीटर मक्का का पवित्र जल 'आबे ज़म-ज़म' प्रदान किया गया। नागपुर एयरपोर्ट पर हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज़ बेग सहित हज कमेटी के अन्य लोगों ने हाजियों का इस्तेकबाल किया और उनकी गुलपोशी की। सऊदी अरब से स्वदेश वापसी पर समस्त हाजियों के चेहरों पर सुकून और खुशी नज़र आई। हाजियों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार द्वारा की गई बेहतर व्यवस्था हेतु आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग, सदस्य मौलाना अमीर बेग, मौलाना हसन अब्बास, हज कमेटी ऑफिस सहायक सैय्यद सलीम उपस्थित रहे।

हाईटेंशन बिजली टॉवर पर लटका मिला बिजली कर्मचारी का शव, क्षेत्र में सनसनी

बालोद, (आरएनएस)। जिले के गुरुर थाना क्षेत्र के ग्राम बोहारडीही में बिजली विभाग के एक कर्मचारी द्वारा हाईटेंशन बिजली लाइन के टॉवर में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान देवेन्द्र साहू (40 वर्ष) के रूप में हुई है, जो बिजली विभाग में नियमित कर्मचारी के तौर पर कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने कोरबा-दल्लीराजहरा मुख्य विद्युत लाइन के टॉवर पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।स्थानीय लोगों ने जब टॉवर पर शव लटका देखा तो इसकी सूचना तत्काल गुरुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के पीछे पारिवारिक क्लेश की बात सामने आ रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।फिलहाल गुरुर थाना पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी हुई है।यह समाचार प्रकाशन शैली में तैयार किया गया है।

कोयले से भरा ट्रेलर पलटा, चपेट में आने से दो सगे भाईयों की हुई मौत

बिलासपुर,(आरएनएस)। जिले के बेलतरा हाईवे पर शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार कोयला लदा ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया और उसकी चपेट में आए बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान संदीप रजक और प्रदीप रजक के रूप में हुई है। दोनों भाई काम खत्म कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बेलतरा हाईवे पर सामने चल रहा ट्रेलर चालक के नियंत्रण से बाहर होकर पलट गया। भारी वाहन के नीचे दबने से दोनों भाइयों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद ट्रेलर के नीचे फंसे दोनों युवकों के शव बाहर निकाले गए। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह ट्रेलर की तेज रफ्तार और चालक का वाहन पर नियंत्रण खोना माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक ही परिवार के दो कमाऊ बेटों की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बच्चा चोरी मामले में जिला अस्पताल की सफाई, सीसीटीवी कैमरे चालू थे, पुलिस को उसी दिन सौंप दी गई फुटेज

जशपुरनगर, (आरएनएस)। बच्चा चोरी प्रकरण में जिला अस्पताल की लापरवाही और सीसीटीवी कैमरे बंद होने की चर्चाओं के बीच अस्पताल प्रबंधन ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि घटना के समय अस्पताल के अधिकांश सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह सक्रिय थे और जांच के लिए आवश्यक फुटेज उसी दिन पुलिस को उपलब्ध करा दी गई थी।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि मातृ एवं शिशु अस्पताल तथा जिला अस्पताल जशपुर में लगे अधिकांश कैमरे सुचारू रूप से कार्य कर रहे थे। केवल कुछ कैमरे तकनीकी कारणों से अस्थायी रूप से बंद थे, जबकि अस्पताल परिसर और महत्वपूर्ण स्थानों पर लगे अन्य सभी कैमरे चालू स्थिति में थे। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, 13 जून 2026 को घटना की जांच के दौरान मातृ एवं शिशु अस्पताल परिसर और ओपीडी क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की गई। इसमें संदिग्ध महिला, बच्चे के माता-पिता और परिजनों की गतिविधियों से जुड़े सभी जरूरी कैमरों की रिकॉर्डिंग उपलब्ध मिली।

प्रबंधन ने बताया कि घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज और आवश्यक दस्तावेज उसी दिन पुलिस को सौंप दिए गए थे, ताकि जांच में किसी प्रकार की बाधा न आए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और संदिग्ध महिला की तलाश के लिए इश्तहार भी जारी किया जा चुका है। अस्पताल प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सीसीटीवी निगरानी प्रणाली नियमित रूप से संचालित की जाती है तथा तकनीकी खराबी वाले कैमरों का समय-समय पर सुधार भी कराया जाता है।

क्रेशर वाहनों से वसूली करने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, पैसा नहीं तो गाड़ी नहीं कहकर करता था गुंडागर्दी

बिलासपुर (आरएनएस)। बिल्हा पुलिस ने क्रेशर संचालकों और ट्रक चालकों से अवैध वसूली कर दहशत फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर बदमाश सत्यप्रकाश उर्फ सत्या उर्फ प्रदीप घृतलहरे (44) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी पर साथियों के साथ मिलकर मारपीट, धमकी और अवैध उगाही करने का आरोप है।पुलिस के अनुसार, 16 जून को ग्राम पंचायत दुर्गडीह के पास आरोपी अपने भाई और अन्य साथियों के साथ टेंट लगाकर आने-जाने वाले वाहनों को रोक रहा था। आरोप है कि वह क्रेशर में चलने वाले ट्रकों की रॉयल्टी जांचने के नाम पर चालकों से जबरन पैसे मांगता था। विरोध करने पर ट्रक चालकों के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

21 जून को जशपुर में सुबह 7 बजे होगा जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

जशपुरनगर,(आरएनएस)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जशपुर जिला मुख्यालय में सुबह 7 बजे से 7:45 बजे तक विशिष्ट कम्यूनिटी हॉल में जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डिप्टी कलेक्टर समीर बड़वा को समस्त कार्यक्रम का नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि एसडीएम जशपुर को कानून व्यवस्था, कार्यक्रम की तैयारियां और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी दी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों, महाविद्यालयों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ योग पूर्व प्रशिक्षण की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। वहीं जिला आयुष अधिकारी एवं समाज कल्याण विभाग को मंच संचालन, अतिथि आमंत्रण और कार्यक्रम समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है।

खेल समाचार

एफआईएच प्रो लीग: आखिरी पलों में टूटा भारत का सपना, जर्मनी ने 2-1 से हराया

रॉटरडैम (आरएनएस)। भारतीय मेंस हॉकी टीम को एफआईएच (इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन) प्रो लीग 2025-26 के अपने तीसरे मुकाबले में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने जर्मनी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत जर्मनी जीत दर्ज करने में सफल रही।अपना 100वां इंटरनेशनल मुकाबला खेल रहे जुगराज सिंह ने मैच के 38वें मैच में भारत की ओर से एकमात्र गोल किया, हालांकि जर्मनी की तरफ से जस्टस वीगैंड ने 56वें और जैकब ब्रिला ने 60वें मिनट में जर्मनी की ओर से गोल दागा। भारत ने मैच की शुरुआत काफी आक्रामक अंदाज में की। टीम ने शुरुआती मिनटों में गेंद पर अच्छा नियंत्रण रखा और जर्मनी पर दबाव बनाने की कोशिश की। मजबूत और कॉम्पैक्ट डिफेंस के चलते भारत ने वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को ज्यादा मौके नहीं बनाने दिए। दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने हाई प्रेसिंग गेम खेलते हुए अपनी तीव्रता को बढ़ाया। इस दबाव के कारण जर्मनी से कुछ गलतियां भी हुईं। भारत के लिए सबसे अच्छा मौका अभिषेक ने पहले

हाफ के दौरान बनाया, लेकिन वह उसे गोल में तब्दील नहीं कर सके। तीसरे क्वार्टर में मुकाबला और भी कड़ा रहा। भारतीय टीम ने लगातार गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जिसका फायदा टीम को मिला। भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर 38वें मिनट में मिला, जिसका भरपूर फायदा अपना 100वां मैच खेल रहे जुगराज ने उठाया। जुगराज ने जबरदस्त ड्रैग-फ्लिक के दम पर भारत को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई।तीसरे क्वार्टर के आखिर में जर्मनी को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार डिफेंस करते हुए भारत को आखिरी समय तक एक गोल की बढ़त बनाए रखने में मदद की। आखिरी क्वार्टर में भारत के पास अपनी बढ़त को दोगुना करने के कई मौके आए, लेकिन टीम इन मौकों को भुनाने में नाकाम रही। हालांकि मैच के 56वें मिनट में जर्मनी ने शानदार वापसी की। जस्टस वीगैंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मैच के अंतिम पलों में जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका फायदा उठाते हुए जैकब ब्रिला ने मैच के 60वें मिनट में गोल करते हुए जर्मनी की 2-1 से जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को नीदरलैंड्स से भिड़ेगी।

फीफा विश्व कप 2026: कोलंबिया ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया

नईदिल्ली (आरएनएस)। फीफा विश्व कप 2026 में कोलंबिया फुटबॉल टीम ने उज्बेकिस्तान फुटबॉल टीम को 3-1 से हराते हुए अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। कोलंबिया की इस जीत में डैनियल मुनोज, जामिंटन कैम्पाज और लुइस डियाज ने 1-1 गोल किए। पहली बार फीफा में हिस्सा ले रही उज्बेकिस्तान से अब्बोस्बेक फैजुल्लाएव ने गोल किया। इस जीत के साथ ग्रुप-के में मौजूद कोलंबिया 3 अंको के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है।

मैच की शुरुआत से ही कोलंबिया ने लगातार दबाव बनाए रखा और गोल करने के कई प्रयास किए। मैच के 40वें मिनट में लुईस डियाज के पास पर डैनियल मुनोज ने फर्स्ट टच पर गोल किया। यह उनका फीफा विश्व कप में पहला और अंतरराष्ट्रीय करियर का कुल चौथा गोल साबित हुआ। मैच के 45वें मिनट में टीम के स्टार मिडफील्डर जेम्स रोड्रिगेज ने लंबी दूर से प्रयास किया, जो विपक्षी गोलकीपर ने अपने सुरक्षित दस्तानों से रोक लिया।

उज्बेकिस्तान से 60वें मिनट में अब्बोस्बेक फैजुल्लाएव ने गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। उज्बेकिस्तान के कप्तान एल्डोर शोमुरोदोव ने गोल करने का प्रयास किया, जिसे कैमिलो वर्गास ने बचाया, लेकिन इस कोशिश में गेंद फैजुल्लाएव को मिल गई, जिसे उन्होंने हेडर से गोल किया। कुछ मिनट बाद ही 65वें मिनट पर लुइस डियाज ने गोल करते हुए फिर से टीम को बढ़त में ला दिया। मैच समाप्ति से कुछ मिनट पहले कैम्पाज ने गोल करते हुए जीत सुनिश्चित की।

इस जीत के साथ कोलंबिया की टीम ग्रुप-के में शीर्ष पर पहुंच गई है। कांगो और पुर्तगाल की टीम संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। इन दोनों टीमों के बीच पहला मैच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। इस ग्रुप में उज्बेकिस्तान की टीम चौथे पायदान पर है। कोलंबिया अपने अगले मैच में 24 जून को कांगो से भिड़ेगी और अपने आखिरी ग्रुप मैच में 28 जून को पुर्तगाल से मुकाबला करेगी।

मैच में कोलंबिया ने गोल करने की 15 बार कोशिश की और 6 बार टारगेट पर शॉट लगाए। दूसरी तरफ उज्बेकिस्तान ने 7 बार कोशिश की और सिर्फ 3 बार टारगेट पर शॉट लगाए। इस रोचक मैच में जीतने वाली टीम के पास 67 प्रतिशत समय बॉल का कब्जा रहा। कोलंबिया ने 87 प्रतिशत एक्यूरेसी के साथ 506 पास पूरे किए। उज्बेकिस्तान ने 330 पास किए, जिसमें उनकी एक्यूरेसी 80 प्रतिशत की रही।

महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय मैचों में इन गेंदबाजों ने लिए सर्वाधिक विकेट

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने टी-20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ अहम उपलब्धि हासिल की। दरअसल, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में संयुक्त रूप से (सभी प्रारूप को मिलाकर) सर्वाधिक विकेट लेने वाली महिला गेंदबाज बनीं। उन्होंने पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड की बराबरी की। इस बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला गेंदबाजों के बारे में जानते हैं।

झूलन के नाम 284 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 355 विकेट हो गए हैं। उन्होंने 12 टेस्ट मैचों में 17.36 की औसत के साथ 44 टेस्ट विकेट लिए। वहीं 204 वनडे में उनके नाम 22.04 की औसत से 255 विकेट दर्ज हैं। वह इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 68 मैचों में 56 विकेट लिए थे। उन्होंने 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था।

दीप्ति के अब 355 अंतरराष्ट्रीय विकेट हो गए हैं। वह इस समय जारी महिला टी-20 विश्व कप में झूलन को पीछे छोड़ देंगी। उन्होंने 6 टेस्ट में 19.50 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं।

फीफा विश्व कप 2026: पहले सप्ताह में चमके कई अनजान से खिलाड़ी

टोरंटो (ए.)। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 की शुरुआत में जहां लियोनेल मेसी , काइलियान एमबाप्पे सहित कई स्टार खिलाड़ियों ने

अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन कर अपनी टीमों को जीत दिलायी है। वहीं पहले सप्ताह में कुछ अनजान से खिलाड़ियों ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से फुटबॉल के इस महाकुंभ में अपनी चमक बिखेरी है। इन अनजान खिलाड़ियों ने दिखाया है कि वे भी किसी से कम नहीं हैं। अपने असाधारण प्रदर्शन से इन लोगों ने खेल प्रेमियों का दिल जीता है। इन खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि विश्व कप सिर्फ बड़े नामों का ही मंच नहीं, बल्कि हर किसी को यहां अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इन्हीं अनजान खिलाड़ियों में से एक हैं। केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा। वोजिन्हा ने स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपने पहले मैच में ही अविश्वसनीय बचाव करके सभी को हैरान कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल अपनी टीम को प्रेरणा दी, बल्कि उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या 1 करोड़ 30 लाख तक पहुंचा दी, जो उनकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। इसके अलावा विश्वप में भाग ले रहे सबसे छोटे देश क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने अपनी टीम के लिए पहला गोल दागकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दी। उनकी टीम हालांकि पूर्व चैम्पियन जर्मनी से 7-1 की करारी हार का सामना करना पड़ा हो पर कोमेनेंसिया का वह गोल हमेशा याद किया जाएगा।इसके अलावा कतर के 35 वर्षीय सेंटर बैक, बौलेम खौखी ने भी प्रभावित किया है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ उनकी निर्णायक भूमिका ने कतर को मैच ड्रॉ कराने में सहायत की। खौखी ने स्विस मिडफील्डर मिरो मुहेम के साथ गेंद पर नियंत्रण के लिए हवा में छलांग लगाई, जिसके परिणामस्वरूप मुहेम को आत्मघाती गोल करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फीफा विश्व कप 2026: घाना ने रोमांचक मुकाबले में पनामा को 1-0 से हराया

नईदिल्ली (आरएनएस)। फीफा विश्व कप 2026 में घाना फुटबॉल टीम ने ग्रुप-एल में जीत के साथ शुरुआत की है। अपने पहले मैच में घाना ने पनामा फुटबॉल टीम को 1-0 से हराते हुए 3 अहम अंक बटोरे। टोरंटो में खेले गए मैच में घाना की ओर से कालेब यिरेंकी ने गोल किया, जो कि परिणाम के लिहाज से निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ अब ग्रुप-एल में घाना की टीम फिलहाल दूसरे पायदान पर पहुंच गई है।

पहले हाफ में ज्यादातर पनामा ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और विपक्षी टीम के गोल के करीब कई मौके बनाए। इस बीच पनामा के सेसिलियो वॉटरमैन ने बॉक्स के बीच से दाहिने पैर से शॉट मारा, जिसे गोलकीपर लॉरेंस अति जिगी ने रोक लिया। मैच के 37वें मिनट में पनामा के जियोवानी रामोस ने दमदार शॉट लगाया, जो गोल के काफी करीब था, लेकिन टॉप राइट कॉर्नर से चूक गया। लगातार प्रयासों के बीच पहला हाफ गोलरहित रहा।

दूसरे हाफ के दौरान पनामा की रक्षापंक्ति ने घाना के कई प्रयासों को असफल किया। मैच समाप्ति से कुछ मिनट पहले अतिरिक्त समय में ब्रैंडन थॉमस-असांटे ने बेहतरीन पास दिया, जिस पर कालेब यिरेंकी (90+5) ने दाहिने पैर से शॉट मारकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर में पहुँचाया।

कप्तान बनकर केकेआर जा सकते हैं सूर्यकुमार : उथप्पा

मुम्बई (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में असफल रहे मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के किसी अन्य टीम में जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि आईपीएल 2027 से पहले सूर्यकुमार मुम्बई को छोड़कर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम में कप्तान बनकर जा सकते हैं। उथप्पा ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए सूर्यकुमार के केकेआर में जाने की संभावना को प्रबल बताया। उनके अनुसार, केकेआर को भी भविष्य के लिए एक अनुभवी कप्तान की जरुरत है और सूर्यकुमार इस भूमिका के लिए एक बेहतीन विकल्प हो सकते हैं। हाल ही में सूर्यकुमार द्वारा इंस्टाग्राम पर मुंबई इंडियंस को कुछ समय के लिए अनफॉलो करने और फिर दोबारा फॉलो करने की घटना ने भी उनके फ्रेंचाइजी छोड़ने की आशंकाओं को बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसे मुम्बई के साथ उनके रिश्तों में आई दरार का संकेत माना, हालांकि बाद में उन्होंने टीम को फिर से फॉलो कर लिया था।गौरतलब है कि आईपीएल 2026 सूर्यकुमार यादव के लिए काफी निराशाजनक सत्र रहा। इसमें उनके फॉर्म पर सवाल खड़े किए। उथप्पा का यह भी मानना है कि केकेआर आगामी सीजन में अपनी कप्तानी में बदलाव कर सकती है क्योंकि पिछले दो सत्र से कप्तान रहे अजिंक्य रहाणे असफल रहे हैं। वहीं उपकप्तान रिंकू सिंह अभी पूरी तरह से नेतृत्व के लिए तैयार नहीं दिखते। ऐसे में सूर्यकुमार यादव जैसा अनुभवी और आक्रामक खिलाड़ी टीम की कप्तानी की कप्तानी संभालने सबसे उपयुक्त नजर आते हैं। वहीं उथप्पा ने गंभीर की केकेआर में वापसी की संभावनाओं को लेकर कहा कि 2027 एकदिवसीय विश्व कप के बाद अगर गंभीर भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ते हैं, तो वह दोबारा केकेआर में मेंटर या हेड कोच के रूप में लौट सकते हैं।

जितनी खुशी सोनिया मीना की रवानगी पर हुई थी उतनी ही सीएमओ के तबादले से हुई

अब नागरिक और नगर पालिका के कर्मचारियों में झलक रही खुशी

नर्मदापुरम (निप्र)। आखिरकार सीएमओ हेमेश्वरी पटले का स्थानांतरण हो ही गया। शहर ने उनको बहुत दिन झेला। शहर के अनेक स्थानों पर उनके तबादले को लेकर खुशी जाहिर की जा रही थी। यह भी कहा जा रहा था कि जितनी खुशी सोनिया मीना की रवानगी से जिले में हुई है। लगभग उतनी ही शहरवासियों और नगरपालिका के कर्मचारियों को हो रही है। शहर में यह भी चर्चा विशेष रूप से हो रही है कि ऐसी सीएमओ किस काम की जो शहर के विकास पर ध्यान नहीं दे। शहर की सड़कों को बर्वाद होने पर पूरे नगरवासी नाराज हैं लेकिन उन्हें इससे कोई सरोकार नहीं था क्योंकि उनको इस शहर से क्या लेना देना एक न एक दिन शहर को छोड़कर दूसरे शहर जाना है। परेशानी भुगतो तो भुगतते रहो। वास्तव में ऐसा कभी नहीं लगता था कि सीएओ को शहर में होने वाली परेशानियों से उनको कोई सरोकार रहा हो। जब मर्जी तब कार्यालय आ जाना। कलेक्टर कार्यालय में होने वाली बैठकों में जाना, बंगले पर फाइलें बुलवाना, ज्यादा समय बंगले पर व्यतीत करना ऐसी ही कुछ दिनचर्चा उनकी रहती थी। अनेक पार्षद भी उनकी कार्य प्रणाली से खिन्न ही रहते थे। कुछ विशेष ठेकेदारों से ही अच्छे से बातचीत करना उनकी आदत देखी जा रही थी बांकी के अन्य लोग उनसे मिलने और समस्या बताने जाते थे तो हां बताईये क्या बात है। समस्या सुनने के बाद भी उस पर ध्यान कम ही देना उनकी आदत देखी गई। आपका कार्य कल हो जाएगा उसके बाद उस कार्य को भूल जाना। सप्ताह बाद भी याद दिलाने पर फिर से वही बात पूछना कि क्या समस्या है। देखने में तो यहां तक आया है कि अध्यक्ष ने यदि कोई आदेश लिख दिया उसे भी महिनों टालते हुए देखा गया है। इसके बाद भी समझदार अध्यक्ष द्वारा उन्हें पूरा सहयोग किया जाता रहा है। शहरवासी कह रहे हैं कि यहां कुछ ज्यादा ही समय बीतने पर तबादला हुआ।

विकास कार्यों में कम रहती थी रुचि, सड़कों को बर्बाद होने पर नहीं दिया कोई ध्यान

अगस्त में प्रारंभ होगी मध्य प्रदेश के अमरनाथ - नागद्वारी की यात्रा

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पैदल ट्रैकिंग कर देखी नागद्वारी मंदिर मार्ग तक की व्यवस्थाएं

मेला अवधि में श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाए समस्त आवश्यक मूलभूत सुविधाएं : कलेक्टर श्री मिश्रा

ननर्मदापुरम (निप्र)। अगस्त 2026 में मध्य प्रदेश के अमरनाथ कहे जाने वाले सुप्रसिद्ध नागद्वारी गुफा की साल में एक बार होने वाली यात्रा प्रारंभ होगी तथा इस दौरान जिले का प्रसिद्ध नागद्वारी मेले का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा उचित व्यवस्थाओं तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए किया जाएगा। शुक्रवार को आगामी नाग पंचमी पर्व के पूर्व आयोजित होने वाले इस प्रसिद्ध नागद्वारी मेले की तैयारियों को लेकर कलेक्टर सोमेश मिश्रा के नेतृत्व में संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा नागद्वारी मंदिर तक के ट्रैकिंग मार्ग एवं मेला क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सुरक्षित, सुगम एवं बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अधिकारियों के साथ कठिन मंदिर मार्ग का पैदल भ्रमण करते हुए जलगली, नागफनी, कालाझाड़, चिंतामन, चित्रशाला, स्वर्गद्वार, पश्चिमद्वार, नागद्वारी मंदिर, काजरी सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पेयजल, स्वास्थ्य, सुरक्षा, विद्युत, स्वच्छता, मार्ग सुधार, संचार व्यवस्था एवं आपदा प्रबंधन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए ट्रैकिंग मार्गों का समय पर सुधार किया जाए तथा मेला क्षेत्र में सभी मूलभूत सुविधाएं निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालु सुविधा की दृष्टि से आवश्यक सुविधाओं, विश्राम स्थलों, संकेतक बोर्डों एवं पर्यटक सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि नागद्वारी मेला प्रदेश के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंचते हैं। इसलिए सभी विभागों की जिम्मेदारी है कि वे बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराएं। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस. थोटा, उप संचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व ऋषभा नेताम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं अध्यक्ष महादेव मेला समिति हिमांशु जैन, एसडीएम पिपरिया एवं सचिव महादेव मेला समिति आकिब खान, सहायक संचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व संजीव शर्मा, एसडीओपी पिपरिया मोहित यादव, तहसीलदार पिपरिया वैभव बैरागी, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य, विद्युत, वन, होमगार्ड, खाद्य सुरक्षा एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि नागद्वारी मेला धार्मिक आस्था के साथ-साथ जिले की सांस्कृतिक विरासत एवं पर्यटन का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक पचमढ़ी क्षेत्र पहुंचते हैं, जिससे स्थानीय पर्यटन एवं अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलता है।

नर्मदापुरम के 55 हजार 879 उपभोक्ताओं को मई माह में 57 लाख 19 हजार की छूट

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिला सोलर ऑवर में 20 प्रतिशत छूट का लाभ

ननर्मदापुरम (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (ToD) छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में मई 2026 के दौरान नर्मदापुरम के कुल 55 हजार 879 उपभोक्ताओं को मई माह में 57 लाख 19 हजार रुपए की रियायत प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (ToD) योजना के अंतर्गत यह छूट प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर में बिजली उपयोग करने पर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है।कंपनी ने बताया है कि घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य, स्ट्रीट लाइट एवं निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि को सोलर ऑवर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उपभोग की गई ऊर्जा पर ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 20 प्रतिशत तक की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसरों में स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें तथा स्मार्ट मीटर के उपयोग से होने वाले लाभों का अधिक से अधिक फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर से सटीक रीडिंग, पारदर्शी बिलिंग एवं ऊर्जा खपत की रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव हो रही है।

शांतिनिकेतन स्कूल में सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी के लिए प्रवेशउत्सवम का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। शांतिनिकेतन मांटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नर्मदापुरम में सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी के विद्यार्थियों हेतु प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर निरंकार मुकासी एवं डॉ सविता मुकासी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत शाला के संगीत शिक्षक अशोक सोनी के मार्गदर्शन में शाला की शिक्षाओं ने प्रार्थना गीत एवं स्वागत गीत से की। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत करते हुए शाला की शिक्षिका सुश्री संगीता बोरासी ने डॉक्टर निरंकार मुकासी का पुष्पगुच्छ से एवं गीता पिल्लई द्वारा डॉक्टर सविता मुकासी तथा शाला की चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज का पुष्प गुच्छ से स्वागत कर किया ।स्वागत भाषण श्रीमती रंजना लक्ष्मण द्वारा एस्कूल रिपोर्ट श्रीमती सिल्विया पीटर द्वारा एसीबीएसई द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026 27 में किए गए परिवर्तनों के बारे में विस्तृत जानकारी शिक्षिका अनुराधा चौहान द्वारा एए आई तथा डिजिटल लैब के बारे में विस्तृत जानकारी सुश्री अनुराधा रिछारिया द्वारा एशैक्षणिक सत्र 2025 26 की बोर्ड परीक्षा परिणाम के बारे में विस्तृत जानकारी सुश्री श्रेया सिंह द्वारा एएवं बच्चो को स्कूल में अंग्रेजी कैसे सीखना है इसकी विस्तृत जानकारी श्रीमती गुंजन पाठक द्वारा दी गई। कार्यक्रम मैं कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा कुमारी दिव्यांशा परसाई ने शानदार डांस की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मंच संचालन सुश्री अर्पिता लक्ष्मण द्वारा किया गया। शाला की चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज ने पालको एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बाल मनोविज्ञान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि बच्चे ईश्वर की एक अनुपम कृति हैए इन्हें शिक्षक और पालक जैसे संस्कार देंगे वैसे ही भविष्य में यह आगे बढ़ेंगे । बच्चों के विकास में पालक और शिक्षकों की सक्रिय भूमिका अनिवार्य है । कार्यक्रम के अंत में शाला की शिक्षिका श्रीमती नीति गुप्ता द्वारा धन्यवाद भाषण दिया गया।

21 जून को सेठानी घाट पर होगा जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नागरिकों से सहभागिता की अपील

नर्मदापुरम (निप्र)। आयुष विभाग, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रात: 6 बजे से 8 बजे तक सेठानी घाट, नर्मदापुरम में जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी अवसर पर पचमढ़ी में भी योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधिगण, शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी, विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में आमजन सहभागी होंगे। सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया जाएगा।जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाना तथा लोगों को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ जीवन के प्रति प्रेरित करना है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सेठानी घाट पर आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करें तथा योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का भी प्रभावी माध्यम है।

बच्चों के नन्हे हाथों ने संभाला पर्यावरण संरक्षण का ज़िम्मा

हरित आवरण बढ़ाने बच्चों ने बनाई प्रकृति की नींव कलेक्टर ने बच्चों के साथ तैयार की सीड बॉल

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बनखेड़ी के ग्राम पलिया पिपरिया स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में स्कूली छात्र-छात्राओं एवं आंगनबाड़ी के बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर सीड बॉल (बीज गेंद) का निर्माण किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को पर्यावरण में वृक्षों के महत्व, उनकी उपयोगिता एवं संरक्षण की आवश्यकता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण तथा क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने की जिम्मेदारी देश के भविष्य अर्थात बच्चों पर भी निर्भर करती है।

उन्होंने बच्चों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें एक विकसित वृक्ष के रूप में तैयार करना भी हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने जिले में संचालित नवांकुर अभियान की सराहना करते हुए कहा कि अभियान के तहत बड़े पैमाने पर सीड बॉल का निर्माण किया जा रहा है, जो भविष्य में अधिक से अधिक पौधों के विकास एवं जिले में हरित आवरण बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव और प्रभावी पहल है।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल हमारी आवश्यकता नहीं, बल्कि हमारा नैतिक कर्तव्य भी है। हम सभी का दायित्व है कि प्रकृति एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय सहभागिता करें तथा पृथ्वी को हरा-भरा बनाए रखने में अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक सीड बॉल निर्माण गतिविधि में भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन ने भी बच्चों के साथ मिलकर सेट बाल निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर

सीहोर (आरएनएस)। नगर पालिका ने अवैध प्लाटिंग करने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शहर के पॉश इलाके चाणक्यपुरी के समीप विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी पर आज नगर पालिका का बुलडोजर चलाया गया। इस कार्रवाई से अवैध प्लाटिंग में शामिल कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया।यह अवैध कॉलोनी बिना डायवर्जन, टीएनसीपी (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग) की अनुमति और किसी भी वैध स्वीकृति के विकसित की जा रही थी। भू-माफिया चाणक्यपुरी जैसे रिहायशी इलाके के पास बेशकीमती जमीन पर अवैध रूप से सड़कें और बाउंड्रीवॉल का निर्माण कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर नगर पालिका प्रशासन ने कार्रवाई की। मौके पर पहुंची नगर पालिका की टीम ने जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान अवैध निर्माण करने वालों को विरोध करने या किसी तरह की सिफारिश करने का मौका नहीं मिला। इस कार्रवाई के बाद नगर पालिका ने आम लोगों से अपील की है कि वे सस्ते प्लॉट के लालच में अवैध कॉलोनियों में अपनी मेहनत की कमाई न लगाएं, क्योंकि ऐसी कॉलोनियों में सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की कोई गारंटी नहीं होती।

नर्मदापुरम में खंड स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के अनुसार चल समारोह एवं जुलूस आदि निकालने की अपील

नर्मदापुरम (निप्र)। आगामी त्योहारों के शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए त्योहारों के दौरान सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान विभिन्न समुदायों द्वारा रखी गई मांगों एवं सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक निर्णय लिए गए। अधिकारियों द्वारा अखाड़ों के आयोजन एवं जुलूस मार्गों से संबंधित दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए शासन एवं प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की गई।बैठक में उपस्थित सभी समाजों के प्रतिनिधियों ने आपसी भाईचारे, सांप्रदायिक सौहार्द एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। अधिकारियों ने कहा कि त्योहार सामाजिक एकता और सद्भाव के प्रतीक हैं तथा सभी समुदायों के सहयोग एवं सहभागिता से इनका आयोजन शांतिपूर्ण एवं गरिमामय ढंग से संपन्न कराया जाएगा। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र सिंह, एसडीओपी जितेंद्र पाठक, थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला, देहात थाना प्रभारी श्रीमती उषा मरावी सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिले के कुछ अधिकारियों के तबादलों का हो रहा था इंतजार

वे ही चेहरे अनेक वर्षों से जमे रहने से शहरवासी हो गए थे बोर

नर्मदापुरम (निप्र)। तबादले की अंधड़ ने कुछ ही अधिकारियों की रवानगी कर पाई। जिसमें आबकारी के अधिकारी के तबादले का तो वर्षों से इंतजार हो रहा था। उसका कार्यकाल जिले में सबसे ज्यादा खराब रहा। क्योंकि इतनी खुलेआम शराब की बिक्री होना उसके बाद भी विभाग के द्वारा अवैध शराब नहीं पकड़ पाना उसकी मिलीभगत का ही असर रहता था। अजीब बात तो यह थी कि अनेक जनप्रतिनिधियों के चाहने के बाद भी वह जिला मुख्यालय पर रिकार्ड बनाकर यहां से जा सका। इतनी अधिक अवैध शराब पहले कभी नही बिकी जितनी उसके कार्यकाल में बिकी है। पुलिस ज्यादा शराब पकड़ लेती थी विभाग के द्वारा कम ही बल्कि यह कहा जाए कि खाना पूर्ति ही होती थी। विभाग के कर्मचारी भी क्या करें। उनके मुखिया की चाहत ही सर्वोपरि थी। जिले में बीते पांच वर्ष से अधिक का समय बिताने के बाद ही तबादला होना आश्चर्य ही नहीं घोर आश्चर्य का विषय है। उसके सामने जनप्रतिनिघि भी बेचारे बन जाते थे। एक बार तो एक बड़े जनप्रतिनिधि ने सार्वजनिक रूप से पूछा था कि कौन सा अधिकारी है जिसके तबादले की बात ज्यादा हो रही है। तब उस जनप्रतिनिधि को जबावदारों ने नाम लेकर बताया था तब भी वह जनप्रतिनिधि दो वर्ष तक उसका तबादला कराने में असहाय रहे। ऐसे ही कुछ अन्य सरकारी नौकर से जिला ऊब चुका था। उनके तबादले से कुछ राहत मिली है। अब जो आ रहे हैं उनसे कुछ अच्छे कार्य की उम्मीद की जा रही है। शासन को तीन वर्ष से अधिक का समय देना ही नहीं चाहिए। फिर नियम ही क्यों बनाए जाते हैं कि तीन वर्ष में तबादला होना चाहिए।

मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन करने पर 5 वाहनों से कुल 19500 रुपये शमन शुल्क वसूला

हरदा (आरएनएस)। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन एवं पुलिस अधीक्षक शशांक के निर्देशानुसार परिवहन विभाग द्वारा जिले के विभिन्न मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न प्रकार के वाहनों को चेक कर बकाया कर, बिना पंजीयन, अस्पष्ट रूप से पंजीयन क्रमांक, बिना बीमा, बिना पीयूसी, बिना फिटनेस व परमिट के संचालित यात्री बस, स्कूल बस, आटो रिक्शा, लोडिंग वाहन, डम्पर वाहनों की जांच की जा रही है। जिला परिवहन अधिकारी राकेश अहाके ने बताया कि शुक्रवार को परिवहन विभाग के दल द्वारा टिमरनी बस स्टेण्ड व विभिन्न मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान टिमरनी बस स्टेण्ड पर चेकिंग के दौरान 15 यात्री वाहनों को चैक किया गया। इनमें से 5 यात्री वाहनों पर मोटरयान अधिनियमो का उल्लंघन करने पर नियमानुसार चालानी कार्यवाही कर शमन शुल्क 19500 रूपये वसूल किया गया। जांच के दौरान वाहन चालको को नियमपूर्वक वाहन संचालन की हिदायत दी गई हैं।

हरदा के 17 हजार 936 उपभोक्ताओं को मई माह में 16 लाख 72 हजार की छूट

हरदा (आरएनएस)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (ToD) छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में मई 2026 के दौरान हरदा के कुल 17 हजार 936 उपभोक्ताओं को मई माह में 16 लाख 72 हजार रुपए की रियायत प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (ToD) योजना के अंतर्गत यह छूट प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर में बिजली उपयोग करने पर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य, स्ट्रीट लाइट एवं निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि को सोलर ऑवर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उपभोग की गई ऊर्जा पर ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 20 प्रतिशत तक की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है।प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसरों में स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें तथा स्मार्ट मीटर के उपयोग से होने वाले लाभों का अधिक से अधिक फायदा उठाएं।

टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना में मिलेगा 1 लाख रूपये तक का ऋण

हरदा (आरएनएस)। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत अनुसूचित जनजाति वर्ग के आवेदकों को सभी प्रकार के स्वरोजगार के लिये 10 हजार रूपये से 1 लाख रूपये तक की परियोजनाएं स्वीकृत किए जाने का प्रावधान है। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग प्रमोद कुमार माथुर ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर प्रतिवर्ष 7 प्रतिशत अथवा वास्तविक जो भी कम हो की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 5 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर निगम द्वारा त्रैमासिक दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com